स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 6 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 दिसम्बर 2021 ✦ वर्ष 10 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

पल्लीवाल जैन समाज की गौरव

Dr. Chhavi Jain

Cancer Fighting Scientist

ResearcHERS Ambassador

American Cancer Society®

ResearcHERS™
WOMEN FIGHTING CANCER

ब्रेस्ट कैंसर के उपचार की वैक्सीन की खोज पूरी की

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 6 ✦ 25 दिसम्बर 2021 ✦ वर्ष 10

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

पारिवारिक रिश्ते

भारतीय संस्कृति में पारिवारिक रिश्तों का बड़ा महत्व होता है। पारिवारिक रिश्ते हमें पैदा होने से लेकर मृत्यु तक बांधे रखते हैं। चाहे वह माता-पिता, बहन-भाई, पुत्र, पुत्री, बुआ, मामा, नाना-नानी, मौसी-मौसा, बुआ-फूफा, चचेर भाई इत्यादि लेकिन इन सब में सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता है पिता-माता पुत्र, / सास-ससुर बहु ये दोनों रिश्ते परिवार को बाधें रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिवार को जोडक़र रखने की परंपरा पर इन रिश्तों का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

परिवार में अगर माता-पिता, पुत्र से अपने मन की बात कहते हैं और पुत्र माता-पिता का ध्यान रखता है, दोनों में सामंजस्य रखने की क्षमता है तो यह रिश्ता बहुत ही सुन्दर तरीके से जिंदगी व्यतीत करने एवं परिवार को जोड़कर रखने में सक्षम होता है, लेकिन दूसरी ओर पुत्र का माता-पिता का ध्यान नहीं रखना, उनसे कोई लगाव नहीं रखना, स्वयं के बसाये हुए परिवार पर ध्यान रखना निश्चित रूप से माता-पिता के रिश्तो में दरार पैदा करता है और दोनों ही तनावपूर्ण रिश्तों में अपनी जिंदगी को व्यतीत करते हैं। लेकिन वास्तव में क्या इन रिश्तों से माता-पिता-पुत्र तीनों सुखी है, या नहीं अगर उनके मन के अंदर झांक कर देखे तो तीनों अपने-अपने संसार में कहीं ना कहीं दुखी हैं अब अगर रिश्तों में सामंजस्यता, लगाव, अपनापन के साथ परिस्थितियां अनुसार परिवर्तन के साथ-साथ पुत्र का माता-पिता के प्रति आदरभाव उनकी मानसिकता को समझने एवं स्वयं की बात को उनके तरीके से करने से यह रिश्ता परिवार को नई दिशा देता है।

इसी तरह सास-ससुर बहु का रिश्ता भी परिवार की महत्वपूर्ण कड़ी है परिवार को साथ बांध कर रखने का दायित्व पति-पत्नी, बहु-बेटे की जिम्मेदारी होती है, बहु अगर अपने पति के सारे परिवार को छोड़कर संसार बसाए तो ऐसा मुमकिन नहीं है। आजकल की बहु अधिक पढ़ी-लिखी होती हैं तथा उनकी सोच भी वर्तमान समय अनुसार आधारित होती है उन्हें पारिवारिक पृष्ठभूमि का ज्ञान कम होता है लेकिन पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर परिवार के विकास में अपना योगदान देना चाहती है, इसके विपरीत सास-ससुर होते तो अनुभवी हैं लेकिन जहां रिश्ता बहु का आता है

शेष पृष्ठ 4 पर....

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

जानवर देवता तथा दानव

एक राजा था। उसका मंत्री बहुत बुद्धिमान था। एक बार राजा ने अपने मंत्री से प्रश्न किया- ''मंत्री जी! भेड़ों और कुत्तों की पैदा होने कि दर में तो कुत्ते भेड़ों से बहुत आगे हैं, लेकिन भेड़ों के झुंड के झुंड देखने में आते हैं और कुत्ते कहीं-कहीं एक आध ही नजर आते हैं। इसका क्या कारण हो सकता है?

मंत्री बोला- 'महाराज! इस प्रश्न का उत्तर आपको कल सुबह मिल जायेगा।'

राजा के सामने उसी दिन शाम को मंत्री ने एक कोठे में बीस कुत्ते बंद करवा दिये और उनके बीच रोटियों से भरी एक टोकरी रखवा दी। दूसरे कोठे में बीस भेड़े बंद करवा दी और चारे की एक टोकरी उनके बीच में रखवा दी। दोनों कोठों को बाहर से बंद करवाकर, वे दोनों लौट गये।

सुबह होने पर मंत्री राजा को साथ लेकर वहां आया। उसने पहले कुत्तों वाला कोठा खुलवाया। राजा को यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि बीसों कुत्ते आपस का लड़-लड़कर अपनी जान दे चुके हैं और रोटियों की टोकरी ज्यों की त्यों रखी है। कोई कुत्ता एक भी रोटी नहीं खा सका था।

इसके पश्चात मंत्री राजा के साथ भेड़ों वाले कोठे में पहुंचा। कोठा खोलने के पश्चात राजा ने देखा कि बीसो भेड़े एक दूसरे के गले पर मुंह रखकर बड़े ही आराम से सो रही थी और उनकी चारे की टोकरी एकदम खाली थी।

मंत्री राजा से बोला- 'महाराज! कुत्ते एक भी रोटी नहीं खा सके तथा आपस में लड़-लड़कर मर गये। उधर भेड़ों ने बड़े ही प्रेम से मिलकर चारा खाया और एक दूसरे के गले लगकर सो गयी। यही कारण है, कि भेड़ों के वंश में वृद्धि है। समृद्धि है। उधर कुत्ते हैं, जो एक-दूसरे को सहन नहीं कर सकते। जिस बिरादरी में इतनी घृणा तथा द्वेष होगा। उसकी वृद्धि भला कैसे हो सकती है।

राजा मंत्री की बात से पूरी तरह संतुष्ट हो गया। उसने उसे बहुत-सा पुरस्कार दिया। वह मान गया था कि आपसी प्रेम तथा भाईचारे से ही वंश वृद्धि होती है। मंत्री ने इस संबंध में राजा को एक कहानी सुनायी-

एक बार ब्रह्मा ने देवता तथा असुरों की एक सभा बुलवायी। सभी देवता तथा दानव ब्रह्मा के दरबार में उपस्थित हुये। ब्रह्मा ने वैसे तो दोनों ही समुदाय की बड़ी आवभगत की, लेकिन देवताओं के प्रति उनके मन में अधिक श्रद्धा तथा सम्मान था। दानवों ने इस बात को भाप लिया कि ब्रह्मा के मन में देवताओं के प्रति अधिक मान-सम्मान है। दिखाने के लिए वे बराबर का बर्ताव कर रहे हैं। दानवों के राजा ने कहा- ब्रह्मा जी! देखिये आप देवताओं को अधिक महत्व दे रहे हैं। उनके प्रति आपके हृदय में अधिक सम्मान है। अगर ऐसा ही है, तो फिर हमें यहां क्यों बुलवाया।

ब्रह्मा ने बहुत समझाया बुझाया; किंतु दानवों का क्रोध कम नहीं हुआ। अब तो ब्रह्मा ने संकल्प लिया कि दानवों को इस बात का बोध कराना ही होगा कि वे देवताओं की बराबरी नहीं कर सकते। ब्रह्मा ने असुरों के राजा से कहा- 'मुझे प्रसन्नता होगी यदि आप देवताओं के समान बन जाये, उनसे पीछे न रहे।'

'हम तो पहले ही उनसे बहुत आगे हैं।' असुरों के राजा ने अकड़कर कहा।

'बुरा ना माने तो, मैं आपकी परीक्षा ले लूं।' ब्रह्मा ने पूछा।

'ठीक है। हो जाये परीक्षा।' दानवों के राजा ने कहा।

रात के भोजन में ब्रह्मा ने देवताओं व दानवों सबके हाथों पर उंगलियों तक डंडे बधवा दिये। जिससे दोनों हाथ मुड़ न सके। सबसे पहले ब्रह्मा ने असुरों के आगे लड्डूओं के बड़े-बड़े थाल परोसे और कहा कि- 'जो अधिक लड्डू खायेगा वही श्रेष्ठ होगा।' दानवों ने लड्डू उठा तो लिये; किंतु हाथ में डंडे बंधे होने के कारण वे लड्डूओं को अपने मुंह तक नहीं ले जा सके। यह एक विकट समस्या उत्पन्न हो गयी। बहुत प्रयास करने के पश्चात भी कोई भी दानव लड्डू खाने में सफल नहीं हो सका। सभी उठ गये।

अब देवताओं की बारी आयी। उनके हाथ भी मुड नहीं सकते थे। पंक्ति में बैठे सभी देवताओं के सम्मुख लड्डू परोसे गये। देवताओं ने दो-दो जोड़ी बना ली। एक देवता दूसरे देवता को लड्डू खिला रहा था। सभी दानव यह तमाशा देख रहे थे। उन्हें मानना पड़ा कि वास्तव में देवता दानवों से श्रेष्ठ है।

राजा को मंत्री की कहानी बहुत पसंद आयी। वह मान गया कि वास्तव में एकता द्वारा कुछ भी कार्य किया जा सकता है।

संयोजक की कलम से....

तो उनकी सोच आचार-विचार एवं अनावश्यक दखलंदाजी उनकी पर्सनल लाइफ को प्रभावित करना उनका स्वभाव बन जाता है। बेटी के मामले में यह स्वभाव बिल्कुल विपरीत हो जाता है, अतः यहां भी सास-ससुर को बेटे-बहु की लाइफ में ज्यादा दखलंदाजी नहीं करके उनके साथ सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिये। उनके नवीन विचारों में अपने अनुभव का समावेश कर उनके साथ चलना चाहिये, बहु अगर कुछ करना चाहती है तो उसे प्रोत्साहित करना चाहिये तथा उसके साथ अपनी बेटी की तरह व्यवहार कर परिवार के रिश्तों को मजबूती प्रदान करनी चाहिये।

जिस परिवार में रिश्तों की महत्ता है, आदर भाव है, समय की आवश्यकता अनुसार चलने की क्षमता है वह परिवार निश्चित तौर पर एक सुखी परिवार हो सकता है।

-चन्द्रशेखर जैन

अल्पसंख्यकों को मिलने वाली सुविधायें

भारतीय संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग केवल मात्र 29 व 30 अनुच्छेद में हुआ है। इस व्यवस्था के अनुसार इस देश में नागरिकों का कोई एक वर्ग यदि अपनी भाषा, लिपी अथवा संस्कृति रखता है तो उसकी अक्षुण्णता को बनाकर रखने को उसे पूर्ण उसे पूर्ण अधिकार है।

किसी नागरिक को किसी भी शिक्षण संस्था में प्रवेश से जिसका संचालन राज्य द्वारा किया जाता है अथवा जो राज्य की आर्थिक सहायता से संचालित होता है, जाति, धर्म, भाषा व मूलवंश के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता।

अनुच्छेद 30 स्पष्ट करता है कि अल्पसंख्यक चाहे उनका आधार भाषा अथवा धर्म हो वे अपने विवेक के आधार पर शिक्षण संस्थाओं की स्थापना व उनका संचालन शिक्षा के मानदण्डों को मानते हुए कर सकते हैं।

जैन अल्पसंख्यक

वर्तमान में बौद्ध, मुस्लिम, जैन, सिख, ईसाई, पारसी को सरकार द्वारा अल्पसंख्यक घोषित किया गया हैं। जैन समाज के अल्पसंख्यक घोषित होने से संविधान के अनुच्छेद 29 व 30 के अनुसार जैन धर्म, भाषा, संस्कृति की रक्षा संविधान के उपबंधों के अंतर्गत हो सकेगी। जैन समाज द्वारा स्थापित एवं संचालित शिक्षण संस्थाओं में पढाई करने व कराने के लिए जैन धर्मावलंबियों को स्वतंत्र अधिकार प्राप्त हो गया है।

जबसे जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक दर्जा प्रदान किया गया है तब से अन्य अल्पसंख्यक समुदाय की तरह ही जैन समुदाय के लोगों को भी देश के अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की तरह सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का फायदा मिलने का रास्ता खुल गया है।

जैन समुदाय अपने निजी शिक्षण संस्थानों को स्वशासी बना सकेगा। आइये हम भी जानते हैं कि आखिरकार जैन समुदाय अल्पसंख्यक बनने पर किन-किन जैन सविधाएं को प्राप्त कर सकता है, संकलित किये गये इस प्रकार से हैं-

जैन अल्पसंख्यक सुविधाएं-

जैन धर्म की सुरक्षा होगी।

कम ब्याज पर लोन व्यवसाय व शिक्षा तकनीक उपलब्ध होंगे।

जैन धर्म की नैतिक शिक्षा पढाई कराने का जैन स्कूलों को अधिकार।

जैन कालेजों में जैन के लिए 50 प्रतिशत आरक्षित सीट होंगी।

जैन धर्मावलंबियों के धार्मिक स्थल, संस्थाओं, मंदिरों तीर्थ क्षेत्रों एवं ट्रस्ट का सरकारीकरण या अधिग्रहण आदि नहीं किया जा सकेगा अपितु धार्मिक स्थलों का समुचित विकास एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध शासन द्वारा भी किए जायेंगे।

जैन समुदाय के अल्पसंख्यक घोषित हो जाने से संविधान के अनुच्छेद 25 से 30 के अनुसार जैन समुदाय धर्म, भाषा, संस्कृति की रक्षा संविधान में उपलब्धों में अंतर्गत हो सकेगी।

उपासना स्थल अधिनियम 1991 (42 आक-18.9.91) के तहत किसी धार्मिक उपासना स्थल बनाए रखने हेतु स्पष्ट निर्देश जिसका उल्लंघन धारा 6 (3) के अधीन दंडनीय अपराध है। पुराने स्थलों एवं पुरातन धरोहर का सुरक्षित रखना सन् 1958 के अधिनियम धारा 19 व 20 के तहत सुरक्षित हो।

जैन धर्मावलंबी अपनी प्राचीन संस्कृति पुरातत्व एवं धर्मस्थलों का संरक्षण कर सकेंगे।

समुदाय द्वारा संचालित ट्रस्टों की सम्पत्ति को किराया नियंत्रण अधिनियम से भी मुक्त रखा जायेगा।

जो प्रतिभावान अल्पसख्यक विद्याथी जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश पाते हैं तो उनमें गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले विद्यार्थियों का 9वीं, 10वीं, 12वीं कक्षा का शिक्षण एवं अन्य लिया जाने वाला शुल्क पूर्णतः माफकर दिया जायेगा।

जैन मंदिरों तीर्थ स्थलों, शैक्षणिक संस्थाओं इत्यादि के प्रबंध की जिम्मेदारी समुदाय के हाथ में दी जायेगी।

अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थल के समुचित विकास एवं सुरक्षा के व्यापक प्रबंध शासन द्वारा किये जायेंगे।

शैक्षणिक एवं अन्य संस्थाओं को स्थापित करने या उसके संचालन में सरकारी हस्तक्षेप कम हो जायेगा।

जैन धर्मावलम्बी द्वारा पुण्य, प्राणी सेवा, शिक्षा इत्यादि हेतु दान धन कर मुक्त होगा।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोचिंग कालेज में समुदाय के विद्यार्थियों को फीस माफ या कम होने की सुविधा प्राप्त होगी।

जैन धर्मावलम्बी को बहुसंख्यक समुदाय के द्वारा प्रताड़ित किये जाने की स्थिति में सरकार जैन धर्मावलंबी की रक्षा करेगी।

सरकार द्वारा जैन समुदाय को स्कूल, कालेज, छात्रावास, शोध या प्रशिक्षण संस्थान खोलने हेतु सभी सुविधाएं एवं रियायती दर पर जमीन उपलब्ध करवाई जायेगी।

जैन समुदाय द्वारा संचालित जिन संस्थाओं पर कानून की आड़ में बहुसंख्यकों ने कब्जा जमा रखा है, उनसे मुक्ति मिलेगी।

जैन समुदाय के विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं और व्यवसायिक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण हेतु अनुदान मिल सकेगा।

अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं में खेलकूद व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रोत्साहन हेतु अनुदान एवं छात्रवृत्तियों में विशेष प्रावधानों का लाभ मिल सकेगा ताकि गरीबी रेखा से नीचे आने वाले तथा आर्थिक स्थिति में कमजोर वर्ग का शैक्षणिक सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सकेगा।

अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कराए गए आर्थिक सामाजिक, शैक्षणिक स्थिति के सर्वेक्षण के आधार पर रोजगार मूलक सुविधा का लाभ मिलेगा।

अल्पसंख्यक स्टेट्स के सत्यापन हेतु आप समाज की किसी भी प्रतिष्ठित व प्राचीन संस्था जोकि भारत सरकार के अधिनियम के अनुरूप रजिस्टर्ड हो, के द्वारा सत्यापित कर प्रमाणपत्र जारी करवा सकते हैं।

हम समस्त जैन समुदाय से अपील करते हैं कि अल्पसंख्यक समाज को शासन-प्रशासन से मिलने वाले फायदे का पूर्ण लाभ प्राप्त करना चाहिए।

केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्यालय संपर्क सूत्र

Honorable Shri Mukhtar Abbas Naqvi

Union Minister of Minority Affairs,
Govt. of India

Add.: Ist Floor, Pt. Deen Dayal,
Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi- 111003
Ph.: 011-23011977, 2311978
Web : www-minorityaffairs.gov.in

Ministry of Minority Affairs

DIGP CRPF, NEW DELHI,
Range-8, C Block, Sec. 1, West Block,
RK Puram, New Delhi-110066
Toll free: 1800-11-00-88

-अनिल जैन

पत्रिका सदस्यता

3149. **Sh. Santosh Kumar Ji Jain,** E-269, Mansarovar Colony, Kala Kuwa, Alwar *(CR D-2515)*

3150. **Sh. Raja Ji Jain,** Jagadamba Colony, Ward No. 19, Kherli, Alwar-321606, Mob.: 9414485397 *(CR D-2665)*

3151. **Sh. Manjeet Ji Jain,** 112, Jaipur House, Agra-282010, Mob.: 9359906702 *(CR D-2667)*

3152. **Sh. Vineet Ji Jain,** 308/1, Paras Bhawan, Near Canara Bank, Bodla, Loha Mandi, Agra-282007 *(CR D-2635)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री देवेन्द्र कुमार जी जैन, प्रवीन जैन** नोगांवा ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2519)*

★ **श्री फूलचन्द जी जैन** नोगांवा-रामगढ़, अलवर ने पत्रिका सहायता हेतु रु. 250/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2518)*

★ **श्री सुनील कुमार जी जैन एवं श्रीमती अरूणा जी जैन,** बी-48, विधानगर, जगतपुरा, जयपुर ने अपने सुपुत्र चि. स्पर्श जैन (सुपौत्र स्व. गिन्दोडी जीदेवी एवं स्व. श्री कजोड़ी लाल जी जैन, नेताजी खेरली) संग सौ.कां. दिव्या गर्ग (सुपुत्री श्री राजेन्द्र प्रसाद जी गुप्ता एवं श्रीमती मीना देवी जी, जयपुर) के दिनांक 2 दिसम्बर 2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के अवसर पर पत्रिका सहायता हेतु रु. 1,111/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2666)*

★ **श्री ललित जी जैन,** दयानन्द विहार, नई दिल्ली ने स्व. श्रीमती प्रगति जी जैन धर्मपत्नी श्री अंकुर जैन (कैलिफोरनिया, यूएसए) की पुण्य स्मृति पर पत्रिका सहायता हेतु रु. 5,100/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी-2634)*

★ **श्री प्रफुल्ल चन्द्र जी जैन** (बरारे वाले) ने अपने पुत्र चि. प्रषभ जैन का शुभ विवाह दिनांक 19.11.2021 को सआनन्द सम्पन्न होने पर पत्रिका सहायता हेतु रु. 1,100/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी-2610)*

★ **श्री ओम प्रकाश जी जैन-श्रीमती ऊषा जी जैन**, सी-6ए, जनकपुरी, नई दिल्ली ने अपने विवाह की 50वीं स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी-2629)*

★ **श्री अनिल कुमार जैन,** डब्ल्यू.जेड 239ए/डी-242, राजनगर पार्ट-2, पालम, दिल्ली-110077 ने अपने पिताजी श्री रमेश चंद जी जैन, जिनका स्वर्गवास दिनाँक 28 नवम्बर 2021 को हो गया था, उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2636)*

महासभा सहायता

★ **श्री फूलचन्द जी जैन** नोगांवा-रामगढ़, अलवर ने महासभा सहायता हेतु रु. 250/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 5026)*

★ **श्री देवेन्द्र कुमार जी जैन, प्रवीन जैन** नोगांवा ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती लक्ष्मी देवी जी जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 5031)*

आलोचक और प्रशंसक

शायद इंसान जब से इस पृथ्वी पर पैदा हुआ है उसे ज्ञान की प्राप्ति हुई होगी या फिर जब वे ज्ञान प्राप्ति या शिक्षित होने के दौर में होगा तब से ही वह अपनी प्रशंसा सुनने के लिए व्यग्र रहा होगा। हर इंसान की ये खूबी कह लीजिए या फिर कमी कि वह हमेशा अपनी प्रशंसा सुनना चाहता है और आलोचना सुनना तो उसके लिए काफी कष्टप्रद है। हम इंसान हैं कोई मशीन नहीं, कभी-कभी कमियां भी निकल जाती हैं। इसलिए इंसान को आलोचना के लिए तैयार रहना चाहिए। जीवन में जितना आगे बढ़ते जाते हैं उतनी ही आलोचनाएं भी बढ़ती है।

व्यक्ति के जीवन में प्रशंसा और आलोचना दो ऐसे शब्द हैं जो उसके मन को प्रभावित करते रहते हैं। हर छोटा या बड़ा व्यक्ति अपने जीवन में अपने से संबंधित सभी विषयों की प्रशंसा सुनना बहुत पसंद करता है और आलोचना सुनने से डरता है। यह ठीक है कि प्रशंसा मिलने पर व्यक्ति को अपने कार्य करने के लिए उत्साहवर्धन की प्राप्ति होती है परंतु यहां पर उसकी बुद्धि ही उसके मन को नियंत्रित करने का कार्य करती है, कि जो प्रशंसा उसे मिल रही है वह सही है या गलत। प्रशंसा सुनकर अहंकार का आना गलत है उसे सामान्य भाव से स्वीकार करेंगे तो वह व्यक्ति के लिए हितकारी होगी। कई चाटुकार लोग अपने स्वार्थ को सिद्ध करने के लिए झूठी प्रशंसा का सहारा लेते हैं परंतु बुद्धिमान लोग तो झूठी और सही प्रशंसा दोनों को समझ लेने में समर्थ होते हैं। परंतु जो अपनी बुद्धि का सहारा नहीं लेता वह बहुत बड़ा धोखा खा जाता है। बार-बार आलोचनाएं सुनकर व्यक्ति हताश व उदास हो जाता है, परंतु देखा जाए तो सही आलोचनाएं जीवन में एक सुंदर दर्पण का कार्य करती हैं तथा भविष्य में किसी प्रकार की गलतियां करने से रोकती भी हैं।

कैसा लगता है, जब कोई हम पर दोषारोपण करता है। सामान्यतः जब कोई हमें दोष देता है तो हम बोझिल और खिन्न महसूस करते हैं या बहुत अधिक दुखी हो जाते हैं। क्या कभी हमने कारण जानने की कोशिश की है? कि क्यों हमारा मन दुखी होता है? जब हम आहत होते हैं, इसका सामान्य सा कारण है कि हम आरोपों का प्रतिरोध करते हैं। हमारा मन उसे स्वीकार नहीं करता है, जब हमको कोई दोष देता है तो हम पलट कर उसे दोष देने लगते हैं और अपने भीतर एक दीवार खड़ी कर लेते हैं। एक आरोप हमसे हमारे कुछ बुरे कर्म ले लेता है। यदि हम इसे समझें और कोई प्रतिरोध ना करें और खुशी महसूस करें, कि चलो कोई तो है जो हमें आरोप लगाकर हमारे बुरे कर्म ले रहा है, तो फिर देखो कि कैसे हम अपने आप को हल्का महसूस करने लगेंगे।

प्रशंसा और आलोचना दोनों, एक सिक्के के दो पहलू हैं इसलिए हमें आलोचना का भी स्वागत करना चाहिए। धैर्य और विश्वास ही आरोपों से निपटने का रास्ता है। यह विश्वास हमेशा बनाए रखो कि सत्य की हमेशा विजय होती है और स्थिति अपने आप बेहतर होती चली जाएगी। हम चाहे कोई भी काम करें कोई ना कोई ऐसा होगा जो हमारी गलती निकालेगा। जोश और उत्साह खोए बिना हमें अपना काम करते रहना चाहिए।

एक प्रबुद्ध व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुसार अच्छा कर्म करता रहेगा। उसका रवैया किसी की प्रशंसा अथवा आलोचना से प्रभावित नहीं होगा। अपनी आत्मा के उत्थान के लिए और मन को आलोचना की प्रवृत्ति से बचाने के लिए हमें आवश्यकता है कि हम अपनी संगति का आकलन करें। संगति का असर ही हमें ऊपर उठा सकता है या नीचे गिरा सकता।

एक अज्ञानी हमेशा कहता है कि ''मुझे दोष मत दो क्योंकि मुझे चोट पहुंचती है और एक प्रबुद्ध व्यक्ति हमेशा कहता है कि मुझे दोष मत दो क्योंकि इससे तुम्हें चोट पहुंचेगी''। समझो यह एक बेहद खूबसूरत और तर्कसंगत बात है जो हम समझ नहीं पाते हैं। हमें यह समझना चाहिए कि दोषारोपण करने की प्रवृत्ति संबंधों को नष्ट करती है अतः हमें चाहिए कि दूसरों की गलतियां निकालने या उन पर आरोप लगाने की बजाय कैसे दूसरों की प्रशंसा करें और एक परिस्थिति को बेहतर बनाएं।

आलोचना हमेशा दो किस्म के लोगों की तरफ से आती है, एक जब उनमें संकीर्ण मनोवृत्ति होती है तो वह अज्ञानवश आलोचना करते हैं, या फिर वे सचमुच हमारे अंदर कुछ अच्छा उभारना चाहते हैं। यदि आलोचना हमारे अंदर बदलाव लाने के परिपेक्ष्य की जा रही है तो उन्हें धन्यवाद दो कि उनकी आलोचना के कारण हम अपने में और बेहतर सुधार ला सकते हैं क्योंकि उनकी आलोचना ही हमारी भूल का अहसास दिलाती है, यदि आलोचना हमें नीचा दिखाने के परिपेक्ष्य में की गई है तो उसे हंसी में टाल देना ही हमारे लिए बेहतर होता है।

आज कबीर दास जी का यह दोहा याद आ गया कि- *'निंदक नियरे राखिये, आँगन कुटि छबाय, बिनु पानी बिनु साबुना, निर्मल करे सुभाय'* अर्थात जो तुम्हारी आलोचना करते हैं उन्हें अपने निकट रखो यह तुम्हारे घर, तुम्हारे मन को स्वच्छ रखेगा, साबुन और पानी की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

यदि हमारे आसपास सभी हमारी प्रशंसा करते रहे तो वह हमें हमारी कमियां नहीं दिखाएंगे। वे लोग जो आलोचना करते हैं प्रामाणिक हैं, क्योंकि वह अपना दिल खोलकर सामने रख रहे हैं, आवश्यकता है सिर्फ उसे समझने की। एक सुशिक्षित व्यक्ति ना तो आलोचना से कतरा आएगा और ना ही आलोचक से किनारा करेगा। बस हमारी परिपक्वता का आंकलन इस बात पर निर्भर करता है कि कैसे हम उसे सकारात्मक तरीके से समझें। आलोचना को स्वीकार करने की क्षमता हमारे आत्मिक बल का मापदंड है। इसीलिए कहा गया है-

प्रशंसा से पिघलना मत, क्रोध से जलना मत
आलोचना से उबलना मत और शब्दों में फिसलना मत

-डॉ. रंजना जैन
पर्ल पैशन, बापू नगर, जयपुर

भावभीनी श्रृद्धांजलि

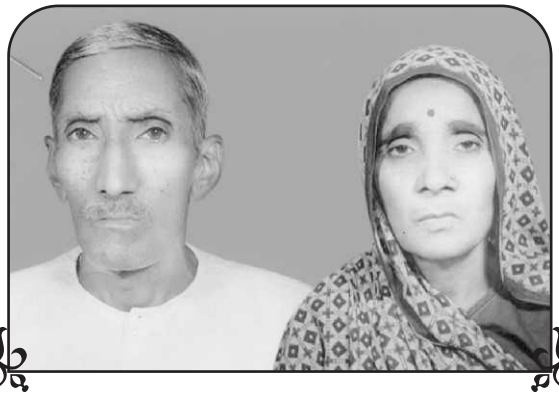

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,

पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी

पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन

पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप

पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

नेक सलाह

मै अपने चेंबर में बैठा हुआ था, एक आदमी दनदनाता हुआ अन्दर घुसा। उसके हाथ में कागज़ों का बंडल, धूप से काला हुआ चेहरा, बढ़ी हुई दाढ़ी, सफेद कपड़े, उसके पंजों में लगी मिट्टी।

उसने कहा- ''उसके पूरे फ्लैट पर स्टे लगाना है, बताइए, क्या क्या कागज और चाहिए... खर्च क्या लगेगा...''

मैंने उन्हें बैठने का कहा

''रघु, पानी दे इधर'' मैंने आवाज़ लगाई!

वो कुर्सी पर बैठ गए! उनके सारे कागजात मैंने देखे, उनसे सारी जानकारी ली, आधा पौना घंटा गुजर गया।

''मैं इन कागज़ों को देख लेता हूँ, फिर आपके केस पर विचार करेंगे। आप ऐसा कीजिए, अगले शनिवार को मिलिए मुझसे।''

चार दिन बाद वो फिर से आए, वैसे ही कपड़े बहुत अशांत लग रहे थे। अपने छोटे भाई पर गुस्सा बहुत थे।

मैंने उन्हें बैठने का कहा, वो बैठे। ऑफिस में अजीब सी खामोशी गूंज रही थी। मैंने बात की शुरुआत की- ''बाबा, मैंने आपके सारे पेपर्स देख लिए और आपके परिवार के बारे में और आपकी निजी जिंदगी के बारे में भी मैंने बहुत जानकारी हासिल की। मेरी जानकारी के अनुसार आप दो भाई हैं, एक बहन है, आपके माँ-बाप बचपन में ही गुजर गए। बाबा आप नौवीं पास है और आपका छोटा भाई इंजिनियर है। अपने छोटे भाई की पढ़ाई के लिए आपने स्कूल छोड़ा, लोगों के खेतों में दिहाड़ी पर काम किया, कभी अंग भर कपड़ा और पेटभर खाना आपको नहीं मिला फिर भी भाई के पढ़ाई के लिए पैसों की आपने कभी कमी नहीं होने दी। एक बार खेलते-खेलते भाई पर किसी बैल ने सींग घुसा दिया तब भाई लहूलुहान हो गया। फिर आपने उसे कंधे पर उठा कर 5 किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल ले गए। सही देखा जाए तो आपकी उम्र भी नहीं थी ये करने की, पर भाई में जान बसी थी आपकी। माँ बाप के बाद मैं ही इन का माँ-बापज्ये भावना थी आपके मन में। फिर आपके भाई को इंजीनियरिंग में अच्छे कॉलेज में एडमिशन मिल गया और आपका दिल खुशी से भरा हुआ था। फिर आपने जी तोड़ मेहनत की। 80,000 की सालाना फीस भरने के लिए आपने रात दिन एक कर दिया यानि बीवी के गहने गिरवी रख के, कभी साहूकार से पैसा ले कर आपने उसकी हर जरूरत पूरी की। फिर अचानक उसे किडनी की तकलीफ शुरू हो गई, डॉक्टर ने किडनी बदलने का कहा और तुम ने अगले मिनट में अपनी किडनी उसे दे दी यह कह कर कि कल तुझे अफसर बनना है, नौकरी करनी है, बीमार शरीर लेकर कहाँ-कहाँ घूमेगा। मुझे तो गाँव में ही रहना है, ये कह कर उसे किडनी दे दी। फिर भाई कालेज हॉस्टल पर रहने लगा। त्यौहार पर्व पर घर में जो पकवान मिठाई इत्यादि बनें भाई को देने जाओ, कोई तीज त्योहार हो, भाई के कपड़े बनाओ। घर से हॉस्टल 25 किलोमीटर तुम उसे भोजन का डिब्बा देने साइकिल पर गए। हाथ का निवाला पहले भाई को खिलाया फिर आपकी मेहनत रंग लाई ओर भाई इंजीनियर बन गया, तुमने प्रसन्नतावश गाँव के लोगों को खाना भी खिलाया। फिर उसने उसी के कॉलेज की लड़की जो दिखने में एकदम सुंदर थी से शादी कर ली, तुम सिर्फ समय पर ही वहाँ पहुंच पाए। भाई को नौकरी लगी, 3 साल पहले उसकी शादी हुई, अब तुम्हारा बोझ हल्का होने वाला था। पर किसी की नज़र लग गई आपके इस प्यार को।

शादी के बाद भाई ने आना बंद कर दिया। पूछा तो कहता है मैंने बीवी को वचन दिया है। घर पैसा देता नहीं, पूछा तो कहता है कर्ज़ा सिर पे है। पिछले साल शहर में फ्लैट खरीदा। पैसे कहाँ से आए पूछा तो कहता है कर्ज लिया है। आपने विरोध किया तो कहता है भाई, तुझे कुछ नहीं मालूम, तू निरा गवार ही रह गया।

अब तुम्हारा वही भाई चाहता है गाँव की आधी खेती बेच कर उसे अपना हिस्सा दे दे। इतना कह के मैं रुका, रघु की लाई चाय की प्याली मैंने मुँह से लगाई! ''तुम चाहते हो भाई ने जो मांगा वो उसे ना दे कर उसके ही फ्लैट पर स्टे लगाया जाए- क्यों यही चाहते हो तुम...''

वो तुरंत बोला, ''हां''

मैंने कहा- हम स्टे ले सकते हैं, भाई के प्रॉपर्टी में हिस्सा भी माँग सकते हैं, पर

1) तुमने उसके लिए जो खून पसीना एक किया है वो नहीं मिलेगा!

2) तुम्हारी दी हुई किडनी वापस नहीं मिलेगी!

3) तुमने उसके लिए जो ज़िन्दगी खर्च की है वो भी वापस नहीं मिलेगी।

मुझे लगता है इन सब चीजों के सामने उस फ्लैट की कीमत शून्य है। तुम्हारे भाई की नीयत फिर गई, वो अपने रास्ते चला गया; अब तुम भी उसी कृतघ्न सड़क पर मत जाओ। वो

भिखारी निकला, तुम दिलदार थे। दिलदार ही रहो। तुम्हारा हाथ ऊपर था, ऊपर ही रखो। कोर्ट कचहरी करने की बजाय बच्चों को पढ़ाओ लिखाओ। पढ़ाई कर के तुम्हारा भाई बिगड़ गया, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हारे बच्चे भी ऐसा करेंगे, पढ़ाई के साथ उन्हें अच्छे संस्कार दो...''

वो मेरे मुँह को ताकने लगा। उठ के खड़ा हुआ, सब काग़ज़ात उठाए और आँखे पोछते हुए बोला- ''चलता हूँ, वकील साहब'' उसकी रूलाई फुट रही थी और वो मुझे दिख ना जाए ऐसी कोशिश कर रहा था।

इस बात को अरसा गुजर गया! कल वो अचानक मेरे ऑफिस में आया। कलमों में सफेदी झाँक रही थी उसके। साथ में एक नौजवान था और हाथ में थैली।

मैंने कहा- ''बाबा, बैठो''

उसने कहा, ''बैठने नहीं आया वकील साहब, मिठाई खिलाने आया हूँ। ये मेरा बेटा, बैंक मैनेजर बन गया है! बैंगलोर में रहता है, कल आया है गाँव। अब तीन मंजिला मकान बना लिया है वहाँ। थोड़ी-थोड़ी करके 10-12 एकड़ खेती की जमीन खरीद ली अब।''

मैं उसके चेहरे से टपकते हुए खुशी को महसूस कर रहा था।

''वकील साहब, आपने मुझे कहा था, कोर्ट कचहरी के चक्कर में मत पड़ो! आपने बहुत नेक सलाह दी थी और मुझे उलझन से बचा लिया था। जबकि गाँव में सब लोग मुझे भाई के खिलाफ उकसा रहे थे। मैंने उनकी नहीं, आपकी बात सुनी थी और मैंने अपने बच्चों को लाइन से लगाया और भाई के पीछे अपनी ज़िंदगी बरबाद नहीं होने दी। कल भाई और उसकी पत्नी भी घर आए थे। पाँव छू-छू कर माफी मांगने लगे। मैंने अपने भाई को गले से लगा लिया और मेरी धर्मपत्नी ने उसकी धर्मपत्नी को गले से लगा लिया। हमारे पूरे परिवार ने बहुत दिनों बाद एक साथ भोजन किया। बस फिर क्या था आनंद की लहर घर में दौड़ने लगी।

मेरे हाथ का पेड़ा हाथ में ही रह गया, मेरे आंसू टपक ही गए आखिर.... गुस्से को योग्य दिशा में मोड़ा जाए तो पछताने की कभी जरूरत नहीं पड़े। बहुत ही अच्छा है इसे समझना और अमल में लाना।

विधवा सहायता

★ **श्रीमती उर्मिला जी जैन,** ए-57, नित्यानन्द नगर, क्वींस रोड, जयपुर ने अपने पति स्व. श्री कस्तूर चन्द जी जैन (मण्डावर वाले) की द्वितीय पुण्यतिथि पर विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 5032)*

★ **श्री ललित जी जैन,** दयानन्द विहार, नई दिल्ली ने स्व. श्रीमती प्रगति जी जैन धर्मपत्नी श्री अंकुर जैन (कैलिफोरनिया, यूएसए) की पुण्य स्मृति पर विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. 5035)*

★ **श्री रमेश चन्द जी पंकज जैन**, दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल, 12 रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 5028)*

★ **श्री रमेश चन्द जी पंकज जैन**, दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल, 12 रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 5029)*

★ **श्री जगदीश प्रसाद जी जैन भागचन्द जैन,** 126, स्कीम नं. 4, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री विजय चन्द जी जैन की 11वीं पुण्यतिथि पर विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 5033)*

श्री भरत जी जैन (एडवोकेट) एवं श्रीमती सरीता जी जैन, 35-स्कीम नं. 8, अलवर ने करूणा भाव का परिचय देते हुए असहाय निशक्तजन एवं विधवाओं की सहायता हेतु रु. एक लाख राशी का चैक रसीद सं. 5027 के द्वारा अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के राष्ट्रीय अर्थमंत्री श्री अजीत कुमार जैन को प्रदान किया। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा आपके इस आत्मीय सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेगी एवं बारम्बार अनुमोदना करती है।

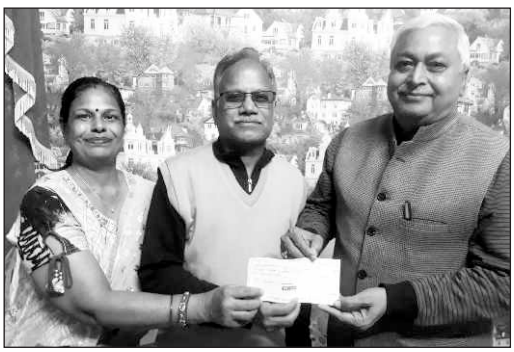

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

श्री चन्द्रप्रभु नमः

12वीं पुण्यतिथि पर
भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री मंगतराम जी जैन

(निवासी-मौजपुर)

स्वर्गवास : 22-12-2009

आपके कार्य-परायणता, सच्चाई, परिश्रम एवं धर्म का वास के द्वारा जो आपने उच्च आदर्श स्थापित किए हैं, हम उनको आजीवन निभाने के प्रयासरत रहेंगे। हम आपके आदर्शवादी जीवन को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी :
श्रीमती बर्फी देवी जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र कुमार-रतन जैन
दिनेश कुमार-निर्मला जैन
देवेन्द्र कुमार-तारा जैन
अशोक कुमार-मधु जैन
सुधीर कुमार-सुनिता जैन
एवं विजेन्द्र कुमार

पुत्री :
श्रीमती विमला जैन
(पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन)

पौत्र-पौत्रवधु :
राहुल जैन-समर्पिता
नरेश जैन-तपस्या (नेहा)
दिलीप जैन-पूजा
नितिन जैन-पूनम
सौरभ जैन-रेनू

पड़ पौत्र, पौत्री :
चिरायुष (मन), नलिनी, तेजस्वनी पावनी, अन्नुश्री, दिवीत, सर्वज्ञ, श्रैयाष

निवास :- सी-117 (A) सावित्री पथ, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
फोन : 9414581512, 9460832227

प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

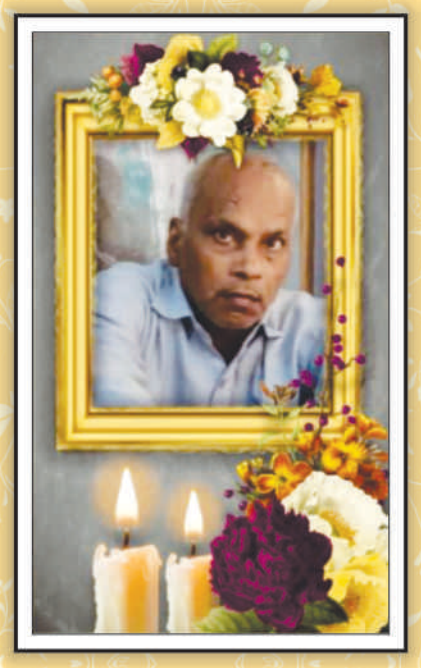

स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन

(रायभा वाले)

(04.09.1957 - 20.12.2020)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, अपूर्व त्याग एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। हम परिवारजन आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पत्नी :
श्रीमती गुड्डी जैन

पुत्री-दामाद :
निशा जैन-चेतन जी जैन

नवासी :
भव्या जैन, नव्या जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
पंकज जैन-कामिनी जैन
पुष्पेन्द्र जैन

पौत्र :
जतिन जैन,
हितेश जैन

जैन शूज स्टोर, मिढाकुर, आगरा
मो. 9058202985, 9012029555

पल्लीवाल जैन समाज की गौरव

डॉ. छवि जैन

द्वारा
महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर की
सफल वैक्सीन तैयार करने
पर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा
की ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

डॉ. छवि जैन

पल्लीवाल जैन समाज की शान

पल्लीवाल जैन समाज के लिए गौरव की बात है कि समाज के अजमेर निवासी परिवार की बिटिया डॉ. छवि जैन ने ब्रेस्ट कैंसर के उपचार की वैक्सीन की खोज पूरी कर विश्व के चिकित्सा जगत में एक नया इतिहास रचा है। हमारे द्वारा उनके बारे में कुछ जानकारी प्राप्त की है, वही आपके लिए प्रस्तुत कर रहे हैं। हम डॉ. छवि जैन के भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

प्रस्तुति : चंद्रशेखर जैन

परिवारजनों के साथ डॉ. छवि जैन

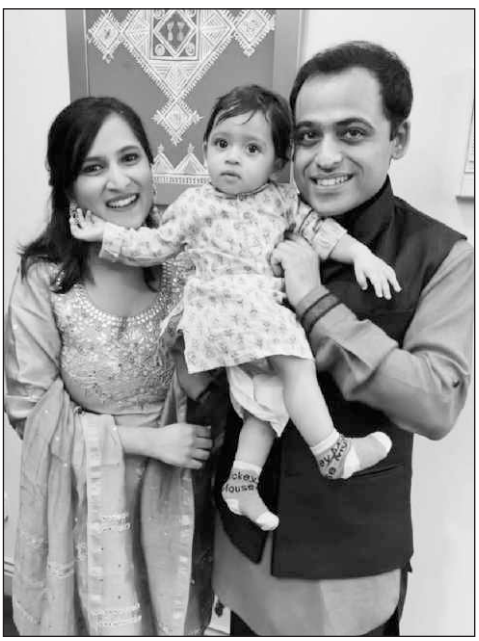

भारत की बेटियां देश से लेकर विदेशों में नाम कमा रही हैं। इसी कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। डॉक्टर छवि जैन, जिन्होंने महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर की सफल वैक्सीन तैयार की है। इस वैक्सीन का अमेरिका में जानवरों पर ट्रायल सफल रहा है। ऐसे में अब ये वैक्सीन महिलाओं पर क्लीनिकल ट्रायल के रूप में शुरू की जाएगी। वैक्सीन के इस सफल ट्रायल से महिलाओं में होने वाले लाइलाज ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर के इलाज की उम्मीद जगी है। अमेरिका में ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के लिए वैक्सीन तैयार करने वाली टीम में अजमेर की बेटी डॉ. छवि जैन भी शामिल रहीं। इस वैक्सीन का जानवरों पर सफल ट्रायल के बाद अब महिलाओं पर क्लिनिकल ट्रायल शुरू किया गया है। क्लिनिकल ट्रायल के पहले चरण में ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर से प्रभावित 18-24 साल की महिलाओं में दो हफ्ते के अंतर से तीन डोज दी जाएंगी। यह वैक्सीन अल्फा लेक्टलब्यूमिन नामक ब्रेस्ट कैंसर प्रोटीन पर प्रहार करती है। डॉ. छवि वर्तमान में अमेरिका के लर्निंग इंस्टीट्यूट क्लीवलैंड क्लीनिक में साइंटिस्ट हैं। छवि अमेरिकन कैंसर सोसायटी की फीमेल रिसर्च एंबेसडर भी हैं।

डॉ. छवि ने पुणे के इंस्टीट्यूट ऑफ बायो इन्फोर्मेटिक्स एंड बायो टेक्नोलॉजी से एम.टेक. और स्विटजरलैंड की स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलोजी (EPFL) यूनिवर्सिटी से पी.एचडी. की डिग्री ली। उसके बाद लर्नर रीसर्च इंस्टीट्यूट में 2018 से जून 2021 तक काम किया और इस दौरान यहां डॉ. थामस बड और डॉ. विनसेंट टूही की रिसर्च पर आधारित कैंसर वैक्सीन की ट्रायल टीम में शामिल रहीं।

छवि की मां डॉ. नीना जैन बताती हैं कि उन्होंने बेटी को कभी पढ़ते नहीं देखा, लेकिन जब भी सवाल पूछा तो सही जवाब दिया। हम भी हैरान हो जाते थे। छवि खुद कहती हैं कि देर तक पढ़ाई मैंने कभी नहीं की, लेकिन लर्निंग पावर अच्छा था।

छवि इंजीनियर बनना चाहती थीं लेकिन एक क्लास ने उनकी जिंदगी बदल दी और अब वे साइंटिस्ट हैं। छवि के कजिन इंजीनियर थे

और वह भी इंजीनियर बनना चाहती थीं। मयूर स्कूल में 11वीं में मैथ्स सब्जेक्ट लिया। कुछ ही दिनों बाद बॉयो पढ़ने की इच्छा हुई तो स्कूल मैनेजमेंट से इजाजत लेकर एक दिन के लिए बायो की क्लास अटेंड की। वहां बहुत अच्छा लगा और सब्जेक्ट में रुचि भी बढ़ी। उसके बाद एम.बी.बी.एस. कर फिजीशियन बनने की इच्छा हुई। बाद में पापा-मम्मी ने साथ दिया और इस फील्ड में आ गईं।

डॉ. छवि जैन का विवाह बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति के जबलपुर निवासी परिवार के पुत्र डॉ. प्रान्तेश जैन से हुआ है, डॉ. प्रान्तेश भी कैंसर विशेषज्ञ हैं।

छवि के शानदार काम के लिए क्लीवलैंड क्लिनिक के शीर्ष नेतृत्व की ओर से एप्रीसिएशन एंड एक्सिलेन्स अवार्ड और एम्पलॉई ऑफ द क्वार्टर अवॉर्ड मिला है। केसवेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी से फेलोशिप भी हासिल हुई। छवि को फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से मनुष्यों पर पहले अध्ययन की मंजूरी हासिल कराने में सफलता मिली है।

छवि ने बताया कि यह वैक्सीन अल्फा लेक्टलब्यूमिन नामक ब्रेस्ट कैंसर प्रोटीन पर प्रहार करती है। ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर के 70 प्रतिशत मामलों में यह प्रोटीन बनाती है। रिसर्च टीम महिलाओं पर वैक्सीन के साइड इफेक्ट के साथ देखेगी कि क्या कैंसर के विरुद्ध उनमें कोई प्रतिरोधक क्षमता बनी है। उन्होंने बताया कि भारतीय महिलाओं में ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर की आशंका ज्यादा रहती है। इसकी मुख्य वजह जलवायु, कुपोषण, जेनेटिक परिवर्तन, मोटापा और जीवनशैली है।

जीवन में संयम की महत्ता

''इच्छा से इच्छाओं का त्याग करना ही संयम है। संयम समस्याओं का समाधान करना है। संयम अनन्त कर्मों की निर्जरा करता है।''

-श्री गौतम मुनी जी म.सा., श्री अविनाश मुनि जी

जिसके जीवन में संयम नहीं है उसका जीवन बिना ब्रेक की गाड़ी के जैसा है। संयम बंधन है लेकिन यह दुखदाई नहीं है। वरन दुखों से छुटकारा दिलाता है। संयम के दो भेद होते हैं-

1. प्राणी संयम (प्राणियों की रक्षा करना)
2. इन्द्रिय संयम (पंचेन्द्रियों पर नियंत्रण रखना)

इन दोनों प्रकार के संयम का पालन करने से निर्वाण की प्राप्ति होती है।

एक मछलीमार कांटा डालने तालाब के किनारे बैठा था। काफी समय प्रयास के बाद भी कोई मछली कांटे में नहीं फंसी, तो वह यह सोचने लगा कि मैंने कहीं कांटा गलत जगह तो नहीं डाल दिया शायद यहां कोई मछली ही न हो।

उसने तालाब में झांका और देखा कांटे के आसपास तो अनेक मछलियाँ हैं, लेकिन कांटे में फंसी क्यूं नहीं?

तभी एक राहगीर ने कहा-''भैया मछली पकड़ने बहुत दिनों में यहाँ आये हो। अब इस तालाब की मछलियाँ कांटे में नहीं फंसती।''

मछलीमार ने हैरत से पूछा-''ऐसा क्यूं?'', राहगीर बोला- पिछले दिनों यहां एक संत आये थे, उन्होंने तालाब के किनारे मौन की महत्ता का प्रवचन दिया। जब वे प्रवचन देते तो मछलियां बड़े ध्यान से सुनती। यह प्रवचनों का ही असर है। उसके बाद जब भी यहां कोई कांटा डालकर बैठता है तो मछलियां मौन धारण कर लेती हैं, जब ये मुंह खोलेंगी ही नहीं तो फंसेगी कैसे?

परमात्मा ने हर इंसान के दो आंखें, दो कान, दो नासिका दी है लेकिन जीव्हा एक ही दी है। क्या कारण रहा होगा?

यह एक जीह्वा ही भयंकर परिस्थितियाँ पैदा करने के लिए पर्याप्त है। संत ने कितनी सही बात कही है- जब मुँह ही नहीं खोलेगे तो फंसोगे कैसे? अगर हम अपनी इन्द्रियों पर संयम करना चाहते हैं तो अपनी जीव्हा पर नियंत्रण कर लें, बाकी सभी इन्द्रियां स्वयं नियंत्रित रहेंगी। अतः हमें भी यह बात अपने जीवन में उतारनी चाहिए। संयम इंसान का एक बेहतरीन गुण है। जो व्यक्ति संयम नहीं रखता उसका निर्णय, उसकी इच्छाएं बदलती रहती हैं और अनेक बार वह निर्बल सा अनुभव करता है।

धन अर्जित करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। हिम्मत, योग्यता, विद्वता, वेग दृढ़ता से बढ़ता है चतुराई और सूझ-बूझ से फलता-फूलता है और संयम से सुरक्षित रहता है। इसलिए संयमित जीवन जीना चाहिए। संयमित जीवन जीने वाला व्यक्ति सदैव सुखी रहता है।

-रजनी जैन
80, शक्ति नगर, जयपुर

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

महासभा आर्थिक चिठ्ठा
31.03.2021 तक

दायित्व	राशि (रु)	संपत्ति	राशि (रु)
समग्र निधि		**निवेश**	
प्रारंभिक शेष	26,77,015.90	बैंक सावधि जमा	43,68,214.75
जोड़ें : आजीवन सदस्यता शुल्क	7,250.00		
		अग्रिम और जमा	
रिजर्व और अधिशेष		टीडीएस	89,070.16
प्रारंभिक शेष	21,53,882.96		
जोड़ें : चालू वर्ष के अधिशेष /(घाटा)	(2,07,423.14)	**नकदी और बैंक बैलेंस**	
		इलाहाबाद बैंक आगरा	1,09,835.06
चिकित्सा कोष		कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	1,14,447.65
प्रारंभिक शेष	1,34,205.00	पंजाब नेशनल बैंक	15,690.90
जोड़ें : चिकित्सा कोष से भुगतान	(10,000.00)	एस बी आई सचिवालय मार्ग	11,443.30
		एस बी आई सी स्कीम	1,45,990.22
अन्य कोष एवं निधि		सिंडीकेट बैंक, आगरा	1,29,683.13
स्वरोजगार कोष	1,00,000.00	रोकड़ शेष	18,355.55
पत्रिका महासभा	38,259.00		
छात्रवृत्ति	65,501.00		
मूकबधिर पशु –पक्षी बचाओं	6,000.00		
केन्द्रांश	5,040.00		
संरक्षक सदस्यता	33,000.00		
कुल	**50,02,730.72**	**कुल**	**50,02,730.72**

हमारी ऑडिट रिर्पोट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

[महासचिव] [अध्यक्ष]

UDIN : 21076903AAAADA1172

स्थान : जयपुर

तिथि : 06.12.2021

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates JAIPUR Chartered Accountants

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

महासभा आय और व्यय खाता

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

व्यय	राशि (रु)	आय	राशि (रु)
मुद्रण और स्टेशनरी	415.00	महासभा के विशेष सहायता	26,201.00
विधवा अनुदान	15,72,000.00	विधवा अनुदान	11,25,322.00
डाक व्यय	669.00	एफडीआर पर ब्याज	2,27,692.88
बैंक कमीशन	997.60	आई टी रिफंड पर ब्याज	2,545.00
गाने व नृत्य प्रतियोगिता	56,048.00	बचत बैंक खाता पर ब्याज	41,245.58
समूहिक शादी	42,000.00	समूहिक शादी	11,000.00
ऑडिट एवं सी ए फीस	32,300.00	गाने व नृत्य प्रतियोगिता	63,000.00
		वर्ष के दौरान कमी / घाटा	2,07,423.14
कुल	17,04,429.60	कुल	17,04,429.60

हमारी ऑडिट रिर्पोट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

कृते श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

अध्यक्ष   महामन्त्री   कोषाध्यक्ष

[महासचिव]   [अध्यक्ष]

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates, JAIPUR, Chartered Accountants

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

UDIN: 21076903AAAADA1172

स्थान : जयपुर

तिथि : 06.12.2021

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

जयपुर – 302015

महासभा प्राप्ति और भुगतान खाता

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्तियां	राशि (रु)	भुगतान	राशि (रु)
प्रांरभिक शेष		**राजस्व भुगतान वर्ष के दौरान**	
कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	91,110.65	मुद्रण और स्टेशनरी	415.00
सिंडीकेट बैंक आगरा	5,30,575.38	विधवा अनुदान	15,72,000.00
इलाहाबाद बैंक आगरा	89,253.06	डाक व्यय	669.00
एस बी आई सचिवालय मार्ग	1,45,692.30	बैंक कमीशन	997.60
एस बी आई सी स्कीम	3,81,044.72	समूहिक शादी	42,000.00
पंजाब नेशनल बैंक	10,017.00	नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता	56,048.00
रोकड़ शेष	39,191.55	ऑडिट एवं सी ए फीस	32,300.00
राजस्व प्राप्तियां वर्ष के दौरान		**पुंजीगत भुगतान वर्ष के दौरान**	
महासभा के विशेष सहायता	26,201.00	टीडीएस	33,366.00
विधवा अनुदान	11,25,322.00	बैंक सावधि जमा	5,37,449.71
एफडीआर पर ब्याज	2,27,692.88	महासभा चिकित्सा	10,000.00
बचत बैंक खाता पर ब्याज	41,245.58		
नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता	63,000.00	**समापन शेष**	
समूहिक शादी	11,000.00	इलाहाबाद बैंक आगरा	1,09,835.06
आयकर रिफ़ंड पर ब्याज	2,545.00	कॉर्पोरेशन बैंक आगरा	1,14,447.65
		पंजाब नेशनल बैंक	15,690.90
पूंजीगत प्राप्तियां वर्ष के दौरान		एस बी आई सचिवालय	11,443.30
महासभा आजीवन सदस्यता	7,250.00	एस बी आई सी स्कीम	1,45,990.22
आयकर रिफ़ंड	36,415.00	सिंडीकेट बैंक, आगरा	1,29,683.13
पत्रिका महासभा	3,135.00	रोकड़ शेष	18,355.55
कुल	**28,30,691.12**	**कुल**	**28,30,691.12**

हमारी ऑडिट रिर्पोट के अनुसार उसी तिथि तक संलग्न

वास्ते अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा
कृते श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

[महासचिव] [अध्यक्ष]

UDIN: 21076903AAAADA1172
स्थान : जयपुर
तिथि : 06.12.2021

वास्ते गुप्ता गजानन्द एण्ड ऐसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेट्स
फर्म पंजीकरण कमांक – 07999C

Gupta Gajanand & Associates, Chartered Accountants, JAIPUR

(गजानन्द गुप्ता)
पार्टनर
सदस्यता संख्या 076903

शाखा समाचार

महिला मंडल शाखा भरतपुर

अ.भा. पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा भरतपुर द्वारा दिनांक 19.12.2021 रविवार को अनाह गेट बजरिया जैन मंदिर से श्री राजेंद्र सूरी तीर्थ सेवर, तक की सौहार्द पद यात्रा निकाली गई, जिसमें 40 महिलाओं ने भाग लिया। समाज को प्रेम और सौहार्द का संदेश देते हुए, गाते बजाते हुए अपूर्व उत्साह के साथ ***'ओमिक्रान से नहीं डरेंगे, सावधानी से सब रहेंगे'*** के उद्घोष के साथ समस्त महिलाए सेवर तीर्थ पहुंची। मंडल अध्यक्षा सुनीता जैन द्वारा बताया गया की पूरे ग्रुप के द्वारा परमात्मा के चरणों में, गुरु राजेंद्र सूरी के चरणों में, सामूहिक अरदास लगाई गई कि समाज में, राज्य में, देश में, विश्व में शांति बनी रहे एवं भययुक्त वातावरण समाप्त होकर भयमुक्त वातावरण बने। सेवर तीर्थ में पदयात्रियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंडल के द्वारा 15 जनवरी को सांसारिक जीवन को त्यागने वाली, वैराग्य के पथ को अंगीकार करने वाली दीक्षार्थी 'भव्या' का भी दिनांक 19.12.2021 को बजरिया जिन मंदिर में बहुमान किया गया।

बधाई

लेफ्टिनेंट हर्षित जैन पुत्र श्रीमती रश्मि जैन व श्री संजीव जैन (शाखा अध्यक्ष अ.भा.प. जैन महासभा शाखा फिरोजाबाद) को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होने पर अ.भा.प. जैन महासभा हर्षित जैन के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करती है।

शोक संवेदना

श्रीमती गिन्दोडी देवी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री कजोड़ी लाल जैन नेताजी खेरली का स्वर्गवास दिनांक 14.11.2021 को 91 वर्ष की आयु में हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक व सरल स्वभाव की धनी थी। अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

अहिंसा को जीवन में उतारो, किसी की भी निन्दा व बुराई से बचो

-आचार्य ज्ञान भूषण जी

दिगम्बर जैन संत आचार्य श्री ज्ञान भूषण जी महाराज ने कहा है कि जीवन में अहिंसा को अपनाओ और किसी की भी निंदा करने से बचो। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अहिंसा का मार्ग पकड़ा है उनका नाम शास्त्रों में भी लिखा जाता है। आचार्य श्री ज्ञान भूषण जी रविवार को स्थानीय स्कीम नम्बर 10 स्थित जैन भवन में अपना मंगल प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि शरीर में अगर किसी को रोग हो गए तो उससे नफरत मत करना साथ ही जीवन में किसी की निंदा मत करना। निंदा करना भी हिंसा की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि किसी की निंदा नहीं करने के साथ-साथ दूसरे के मुख से किसी की निंदा को सुनना भी नहीं चाहिये और ना ही किसी बुराई को देखने के लिये आगे आना चाहिये। आचार्य श्री ने कहा कि अपने स्वभाव से बाहर आना ही हिंसा है, आत्मा का स्वभाव है उत्तम क्षमा, उत्तम धर्म, उत्तम आर्जव आदि यह आत्मा के स्वभाव हैं जिनसे हमें कभी बाहर नहीं आना है और आत्मा के स्वभाव के अनुसार ही जीवन में चलना है। उन्होंने कहा कि चिंता से चतुराई घर जाती है और दुख से शरीर घट जाता है, अगर जीवन में पाप करोगे तो लक्ष्मी भी तुम्हारे पास से घट जाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं है कि आंखों देखी बात सच्ची ही हो, आंखों देखा भी झूठ हो सकता है इसलिए जीवन में किसी की निंदा करना और किसी की निंदा भी नहीं सुनना।

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

द्वितीय पुण्यतिथि पर
भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री कस्तूरचंद जी जैन

(मंडावर वाले)

(जन्म : 06.01.1932 - स्वर्गवास : 18.12.2019)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना, एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारी स्मृति में सदा रहेगा एवं सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी परिवारजन आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

धर्मपत्नी :
श्रीमती उर्मिला जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
भागचंद-साधना
विमल-रीता
पौत्र-पौत्रवधु :
तन्मय-प्रतिभा
चिन्मय-पूर्वी
पौत्र : राजा
पौत्री-पौत्री दामाद :
निहारिका-प्रियांक

पुत्री-दामाद :
कुसुम-महावीर
दोहता-दोहता वधु :
हिमांशु-शिप्रा
दोहती-दोहती दामाद :
ऋतु-अंकित
दोहित्री :
हृदयांशी

निवास : ए-57, नित्यानन्द नगर, क्वीन्स रोड, जयपुर-302021

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री जैनी लाल जी जैन
(स्वर्गवास : 11 जनवरी 2014)

स्व. श्रीमती शान्ति देवी जैन
(स्वर्गवास : 29 दिसम्बर 1993)

श्रद्धावनत

विमल चंद जैन *(दामाद) आबू रोड*
कुसुम-हरीश जी *(पुत्री-दामाद) अलवर*
सुमन-अशोक जी *(पुत्री-दामाद) आगरा*

राजेन्द्र-शशी जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
विनोद-शकुन्तला जैन *(पुत्र-पुत्रवधु)*
निशा जैन *(पुत्रवधु)*

आशीष-महक जैन (U.S.A.) *(पौत्र-पौत्रवधु)*
गौरव-निशू जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
पुनीत-सुरूची जैन *(पौत्र-पौत्रवधु)*
आरव *(पड़पौत्र)* व प्रणवी *(पड़पौत्री)*

5405, लड्डू घाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055
मोबाईल : 9971845125

BC-10D, DDA Flats, मुनीरका, नई दिल्ली-110023
दूरभाष : 9711159909, 9711132189, 26164755

के-84, शान्ति कुंज, बाल उद्यान मार्ग, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाईल : 9810822840, 9810822844/43

मो.: 9891909666, 9717817342
Email : vinodshakun@gmail.com

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

श्री महावीराय नमः

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

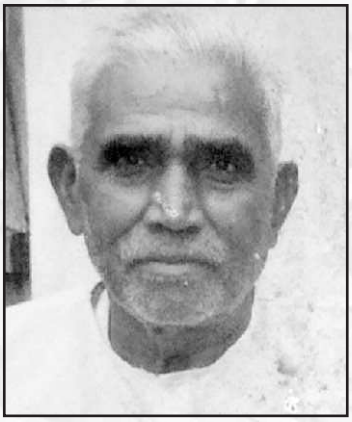

स्व. लाला वैनी प्रसाद जी जैन

(मलपुरा वाले)

(स्वर्गवास : 20 जुलाई 2017)

स्व. श्रीमती नारंगी देवी जी जैन

(स्वर्गवास : 28 अक्टूबर 2002)

हम सभी परिवारजन आपको
स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :

विनय कुमार जैन - स्व. श्रीमती विनोद कुमारी जैन
दिनेश जैन - विमला जैन
राकेश जैन - सरोज जैन
अजति जैन - वीना जैन

निवास

प्रथम मंजिल सुपर मार्केट, एन.टी.सी. गेट, चर्च के पास, रावतभाटा
फोन-01475-235768, 9414185965, 9460742828, 8058092999

जीवन के प्रति एक नया दृष्टिकोण

हमेशा की तरह मैं आज भी, परिसर के बाहर बैठे भिखारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जाँच में व्यस्त था। स्वास्थ्य जाँच और फिर मुफ्त मिलने वाली दवाओं के लिए सभी भीड़ लगाए कतार में खड़े थे। अनायास ही मेरा ध्यान एक बुजुर्ग की तरफ गया, जो करीब ही एक पत्थर पर बैठे हुए थे। सीधी नाक, घुँघराले बाल, निस्तेज आँखे, जिस्म पर सादे, लेकिन साफ सुथरे कपड़े। कुछ देर तक उन्हें देखने के बाद मुझे यकीन हो गया कि, वो भिखारी नहीं हैं। उनका दाँया पैर टखने के पास से कटा हुआ था और करीब ही उनकी बैसाखी रखी थी। फिर मैंने देखा कि, आते जाते लोग उन्हें भी कुछ दे रहे थे और वे लेकर रख लेते थे। मैंने सोचा! कि मेरा ही अंदाज गलत था, वो बुजुर्ग भिखारी ही हैं।

उत्सुकतावश मैं उनकी तरफ बढ़ा तो कुछ लोगों ने मुझे आवाज लगाई- 'उसके करीब ना जाएँ डॉक्टर साहब, वो बूढा तो पागल है '

लेकिन मैं उन आवाजों को नजरअंदाज करता, मैं उनके पास गया। सोचा कि, जैसे दूसरों के सामने वे अपना हाथ फैला रहे थे, वैसे ही मेरे सामने भी हाथ करेंगे, लेकिन मेरा अंदाज फिर चूक गया। उन्होंने मेरे सामने हाथ नहीं फैलाया।

मैं उनसे बोला- 'बाबा, आपको भी कोई शारीरिक परेशानी है क्या?'

मेरे पूछने पर वे अपनी बैसाखी के सहारे धीरे से उठते हुए बोले- "Good afternoon doctor.... I think I may have some eye problem in my right eye .... "

इतनी बढ़िया अंग्रेजी सुन मैं अवाक रह गया। फिर मैंने उनकी आँखें देखीं। पका हुआ मोतियाबिंद था उनकी ऑखों में। मैंने कहा- 'मोतियाबिंद है बाबा, ऑपरेशन करना होगा।'

बुजुर्ग बोले- "Oh, cataract? I had cataract operation in 2014 for my left eye in Ruby Hospital."

मैंने पूछा- 'बाबा, आप यहाँ क्या कर रहे हैं?'

बुजुर्ग- 'मैं तो यहाँ, रोज ही 2 घंटे भीख माँगता हूँ सर'

मैंने कहा- 'ठीक है, लेकिन क्यों बाबा? मुझे तो लगता है, आप बहुत पढ़े लिखे हैं।'

बुजुर्ग हँसे और हँसते हुए ही बोले- 'पढ़े लिखे?'

मैंने कहा- 'आप मेरा मजाक उड़ा रहे हैं, बाबा।'

बाबा- "Oh no doc... Why would I?... Sorry if I hurt you!"

'हर्ट की बात नहीं है बाबा, लेकिन मेरी कुछ समझ में नहीं आ रहा है।'

बुजुर्ग- 'समझकर भी, क्या करोगे डॉक्टर? अच्छा, ओके, चलो हम, उधर बैठते हैं, वरना लोग तुम्हें भी पागल हो कहेंगे।' (और फिर बुजुर्ग हँसने लगे)

करीब ही एक वीरान टपरी थी। हम दोनों वहीं जाकर बैठ गए।

"Well Doctor, I am Mechanical Engineer...." बुजुर्ग ने अंग्रेजी में ही शुरुआत की।

मैं, कंपनी में सीनियर मशीन ऑपरेटर था। एक नए ऑपरेटर को सिखाते हुए, मेरा पैर मशीन में फंस गया था, और ये बैसाखी हाथ में आ गई। कंपनी ने इलाज का सारा खर्चा किया और बाद में कुछ रकम और सौंपी और घर पर बैठा दिया, क्योंकि लंगड़े बैल को कौन काम पर रखता है सर? फिर मैंने उस पैसे से अपना ही एक छोटा सा वर्कशॉप डाला। अच्छा घर लिया। बेटा भी मैकेनिकल इंजीनियर है। वर्कशॉप को आगे बढ़ाकर उसने एक छोटी कम्पनी और डाली।

मैं चकराया, बोला- 'बाबा, तो फिर आप यहाँ, इस हालत में कैसे?'

बुजुर्ग- 'मैं...? किस्मत का शिकार हूँ .... बेटे ने अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए, कम्पनी और घर दोनों बेच दिए। बेटे की तरक्की के लिए मैंने भी कुछ नहीं कहा। सब कुछ बेच बाचकर वो अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जापान चला गया और हम जापानी गुड्डे गुड़िया यहाँ रह गए।'

ऐसा कहकर बाबा हँसने लगे। हँसना भी इतना करुण हो सकता है, ये मैंने पहली बार अनुभव किया।

मैं बोला- 'लेकिन बाबा, आपके पास तो इतना हुनर है कि जहाँ लात मारें वहाँ पानी निकाल दें।'

अपने कटे हुए पैर की ओर ताकते बुजुर्ग बोले- 'लात? कहाँ और कैसे मारूँ, बताओ मुझे?'

बाबा की बात सुन मैं खुद भी शर्मिंदा हो गया। मुझे खुद बहुत बुरा लगा। प्रत्यक्षतः मैं बोला- 'मतलब, आज भी आपको कोई भी नौकरी दे देगा, क्योंकि अपने क्षेत्र में आपको इतने सालों का अनुभव जो है।'

बुजुर्ग- 'हाँ डाक्टर और इसी वजह से मैं एक वर्कशॉप में काम करता हूँ। 8000 रुपए तनख्वाह मिलती है मुझे।'

मेरी तो कुछ समझ ही नहीं आ रहा था। मैं बोला- 'तो फिर आप यहाँ कैसे ?'

बुजुर्ग- 'डॉक्टर, बेटे के जाने के बाद मैंने एक चॉल में एक टीन की छत वाला घर किराए पर लिया। वहाँ मैं और मेरी पत्नी

रहते हैं। उसे Paralysis है, उठ बैठ भी नहीं सकती। मैं 10 से 5 नौकरी करता हूँ । शाम 5 से 7 इधर भीख माँगता हूँ और फिर घर जाकर तीनों के लिए खाना बनाता हूँ।'

आश्चर्य से मैंने पूछा- 'बाबा, अभी तो आपने बताया कि, घर में आप और आपकी पत्नी हैं। फिर ऐसा क्यों कहा कि, तीनों के लिए खाना बनाते हो?'

बुजुर्ग- 'डॉक्टर, मेरे बचपन में ही मेरी माँ का स्वर्गवास हो गया था। मेरा एक जिगरी दोस्त था, उसकी माँ ने अपने बेटे जैसे ही मुझे भी पाला पोसा। दो साल पहले मेरे उस जिगरी दोस्त का निधन हार्ट अटैक से हो गया तो उसकी 92 साल की माँ को मैं अपने साथ अपने घर ले आया तब से वो भी हमारे साथ ही रहती हैं।'

मैं अवाक रह गया। इन बाबा का तो खुद का भी हाल बुरा है। पत्नी अपंग है। खुद का एक पाँव नहीं, घरबार भी नहीं, जो था वो बेटा बेचकर चला गया, और ये आज भी अपने मित्र की माँ की देखभाल करते हैं। कैसे जीवट इंसान हैं ये ?

कुछ देर बाद मैंने समान्य स्वर में पूछा- 'बाबा, बेटा आपको रास्ते पर ले आया, ठोकरें खाने को छोड़ गया। आपको गुस्सा नहीं आता उस पर?'

बुजुर्ग- 'नहीं... नहीं डॉक्टर, अरे वो सब तो उसी के लिए कमाया था, जो उसी का था, उसने ले लिया। इसमें उसकी गलती कहाँ है?'

'लेकिन बाबा... मैं बोला- लेने का ये कौन सा तरीका हुआ भला? सब कुछ ले लिया। ये तो लूट हुई। अब आपके यहाँ भीख माँगने का कारण भी मेरी समझ में आ गया है बाबा। आपकी तनख्वाह के 8000 रुपयों में आप तीनों का गुजारा नहीं हो पाता अतः इसीलिए आप यहाँ आते हो।'

बुजुर्ग- "No, you are wrong doctor, 8000 रुपए में मैं सब कुछ मैनेज कर लेता हूँ। लेकिन मेरे मित्र की जो माँ हैं, उन्हें, डाइबिटीज और ब्लडप्रेशर दोनों हैं। दोनों बीमारियों की दवाई चल रही है उनकी। बस 8000 रुपए में उनकी दवाईयां मैनेज नहीं हो पाती। मैं 2 घंटे यहाँ बैठता हूँ लेकिन भीख में पैसों के अलावा कुछ भी स्वीकार नहीं करता। मेडिकल स्टोर वाला उनकी महीने भर की दवाएँ मुझे उधार दे देता है और यहाँ 2 घंटों में जो भी पैसे मुझे मिलते हैं वो मैं रोज मेडिकल स्टोर वाले को दे देता हूँ।'

मैंने अपलक उन्हें देखा और सोचा, इन बाबा का खुद का बेटा इन्हें छोड़कर चला गया है और ये खुद किसी और की माँ की देखभाल कर रहे हैं। मैंने बहुत कोशिश की लेकिन खुद की आँखें भर आने से नहीं रोक पाया। भरे गले से मैंने फिर कहा- 'बाबा, किसी दूसरे की माँ के लिए, आप, यहाँ रोज भीख माँगने आते हो?'

बुजुर्ग- 'दूसरे की? अरे, मेरे बचपन में उन्होंने बहुत कुछ किया मेरे लिए। अब मेरी बारी है। मैंने उन दोनों से कह रखा है कि, 5 से 7 मुझे एक काम और मिला है।'

मैं मुस्कुराया और बोला- 'और अगर उन्हें पता लग गया कि, 5 से 7 आप यहाँ भीख माँगते हो, तो?'

बुजुर्ग- 'अरे कैसे पता लगेगा? दोनों तो बिस्तर पर हैं। मेरी हेल्प के बिना वे करवट तक नहीं बदल पातीं। यहाँ कहाँ पता करने आएँगी.... हा....हा... हा....'

बाबा की बात पर मुझे भी हँसी आई। लेकिन मैं उसे छिपा गया और बोला- 'बाबा, अगर मैं आपकी माँ जी को अपनी तरफ से नियमित दवाएँ दूँ तो ठीक रहेगा ना। फिर आपको भीख भी नहीं मांगनी पड़ेगी।'

बुजुर्ग- 'नहीं डॉक्टर, आप भिखारियों के लिए काम करते हैं। माजी के लिए आप दवाएँ देंगे तो माजी भी तो भिखारी कहलाएंगी। मैं अभी समर्थ हूँ डॉक्टर, उनका बेटा हूँ मैं। मुझे कोई भिखारी कहे तो चलेगा, लेकिन उन्हें भिखारी कहलवाना मुझे मंजूर नहीं। अब मैं चलता हूँ। घर पहुँचकर अभी खाना भी बनाना है मुझे।'

मैंने निवेदन स्वरूप बाबा का हाथ अपने हाथ में लिया और बोला- 'बाबा, भिखारियों का डॉक्टर समझकर नहीं बल्कि अपना बेटा समझकर मेरी दादी के लिए दवाएँ स्वीकार कर लीजिए।'

अपना हाथ छुड़ाकर बाबा बोले- 'डॉक्टर, अब इस रिश्ते में मुझे मत बांधो, एक गया है, हमें छोड़कर.... आज मुझे स्वप्न दिखाकर, कल तुम भी मुझे छोड़ गए तो? अब सहन करने की मेरी ताकत नहीं रही....'

ऐसा कहकर बाबा ने अपनी बैसाखी सम्हाली और जाने लगे, और जाते हुए अपना एक हाथ मेरे सिर पर रखा और भर भराई, ममता मयी आवाज में बोले- 'अपना ध्यान रखना मेरे बच्चे...'

शब्दों से तो उन्होंने मेरे द्वारा पेश किए गए रिश्ते को ठुकरा दिया था लेकिन मेरे सिर पर रखे उनके हाथ के गर्म स्पर्श ने मुझे बताया कि, मन से उन्होंने इस रिश्ते को स्वीकारा था। उस पागल कहे जाने वाले मनुष्य के पीठ फेरते ही मेरे हाथ अपने आप प्रणाम की मुद्रा में उनके लिए जुड़ गए।

हमसे भी अधिक दुःखी, अधिक विपरीत परिस्थितियों में जीने वाले ऐसे भी लोग हैं। हो सकता है इन्हें देख हमें हमारे दुःख कम प्रतीत हों, और दुनिया को देखने का हमारा नजरिया बदले.... हमेशा अच्छा सोचें, हालात का सामना करे... कहानी से कुछ प्रेरणा मिले तो जीव मात्र पर दया करना ओर परोपकार की भावना बच्चों में जरूर दें।

संकलन : चन्द्रशेखर जैन

SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA

(A Unit of Akhil Bhartiya Palliwal Jain Mahasabha)

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT

For the year ended 31st March 2021

RECEIPTS	AMOUNT	PAYMENTS	AMOUNT
To Opening Balance		**By Payment to Revenue A/cs**	
Indian Bank	950.60	Bank charges and Other Interest	986.80
Bank of Baroda	83366.20	Interest On TDS	77.00
Post Office Mathura	650.00	Legal Expenses	4000.00
Cash In Hand	49838.05	Postage expenses	3100.00
		Printing and binding expenses	514565.00
To Receipt from Revenue A/cs			
Advertisement Income	459300.00	**By Payment to Capital A/cs**	
Interest on FDR	50128.00	Payment to Creditors	36590.00
Bank Interest	2122.00		
Other Income	8651.00	**By Closing Balances**	
Patrika Sahyog	50255.00	Indian Bank	55.60
		Bank of Baroda	182526.40
To Receipt from Capital A/cs		Post Office Mathura	650.00
Received from Debtors	21865.00	Cash In Hand	14881.05
TDS on Contract	2806.00		
Life Membership	27500.00		
	757431.85		**757431.85**

As Per Our Audit Report of Even Date Enclosed

For Gupta Gajanand & Associates
Chartered Accountants

[CA Gajanand Gupta]
Partner
MRN. 076903
FRN 07999C
UDIN : 21076903AAAADB3647

Date : 06-12-2021
Place : JAIPUR

For Shri Palliwal Jain Patrika

चन्द्रशेखर जैन
संयोजक
श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA

(A Unit of Akhil Bhartiya Palliwal Jain Mahasabha)

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT

For the year ended 31st March 2021

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To Bank charges and Other Interest	986.80	By Advertisement Income	4,59,300.00
To Interest On TDS	77.00	By Interest on FDR	50,128.00
To Legal Expenses	4,000.00	By Bank Interest	2,122.00
To Postage expenses	3,100.00	By Other Income	8,651.00
To Printing and binding expenses	5,14,565.00	By Patrika Sahyog	50,255.00
To Surplus	47,727.20		
	5,70,456.00		5,70,456.00

BALANCE SHEET

As at 31st March 2021

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
Resrves and Surplus			Fixed Deposit with Bank	8,50,000.00
Balance of Last Year Deficit	(2,71,280.05)			
Balance of last year Corpus Fund	100900.50		**SUNDRY DEBTORS**	
Balance of Last Year Fixed Reserve	227903.75		Mahasabha Account	38,259.00
Balance of Last year Reserve savings	335416.65		Softel Machine Ltd, Gandidham	21,000.00
Add -: Current Year Surplus	47727.20	4,40,668.05	Vardhman Vacations, New Delhi	21,000.00
Membership Fees			**CASH AND BANK BALANCES**	
Hon. Membership Fees	5100.00		Indian Bank	55.60
Life Membership	435893.00		Bank of Baroda	1,82,526.40
Sanrakshak Membership Fee	22000.00	4,62,993.00	Post Office Mathura	650.00
			Cash In Hand	14,881.05
CURRENT LIABILITIES				
TDS Payable		5,149.00		
Gupta Gajanand and Associates		26,905.00		
Ganpati Print Art		1,92,657.00		
		11,28,372.05		11,28,372.05

As Per Our Audit Report of Even Date Enclosed

For Gupta Gajanand & Associates
Chartered Accountants

[CA Gajanand Gupta]
Partner
MRN. 076903
FRN 07999C
UDIN : 21076903AAAADB3647

Date : 06-12-2021
Place : JAIPUR

For Shri Palliwal Jain Patrika

[Convener]
संयोजक
श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA

ACCOUNTING POLICIES & NOTES ON ACCOUNTS

Annexure "A"

A. *Significant Accounting Policies*

1. General: -
   The palliwal Jain Patrika is owned by Akhil Bhartiya Palliwal Jain Mahasabha. The society is involved in publication of magazines of Palliwal Jain Samaj. Accounting Policies not specifically referred to otherwise are consistent and in consonance with generally accepted accounting principles.
2. Revenue Recognition: -
   Expenses and Income are accounted for on cash basis during the year.
3. Fixed Assets: -
   No Fixed Assets are acquired up to the end of the current financial year.
4. Investments: -
   Investments in FDR of Rs. 8,50,000 are held at the end of the year.

(B) Notes on Accounts

1. Loans account and Bank Balance have been taken at their book value subject to confirmation and reconciliation.
2. The voucher and receipts have been verified on test check basis and found correct, no material discrepancies were found during our test check.

Signature to Annexure "A"

In terms of Our Separate Report of Even Date Attached

For Gupta Gajanand & Associates
Chartered Accountants
(Registration No. 07999C)

Gupta Gajanand & Associates
JAIPUR
Chartered Accountants

(Gajanand Gupta)
Partner
Membership No.: 076903
Place: Jaipur
Date: 05-12-2021

(अधिसंयोजक)

For SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA
चन्द्रशेखर जैन
संयोजक
श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका
[redacted]

प्रीतम चन्द जैन एवं श्रीमती शीला जैन

(रूपबास)
के विवाह
की 50वीं वर्षगांठ
(दिनांक 21.01.2022)
पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु

भ्राता व भ्राता बहु :

शकुंतला देवी-स्व. श्री नरेश चंद जैन (रूपबास)
हेमचन्द-अनिता जैन (बयाना)
राजेन्द्र प्रसाद-सरोज जैन (रूपबास)
वीरेन्द्र कुमार-सुनिता जैन (रूपबास)
देवेन्द्र-मधु जैन (रूपबास)

भतीजे व भतीजे बहु :

राकेश नरेश - राधा
भानु हेम - शिल्पी
लकी राजेन्द्र - सोना
हनी वीरेन्द्र - कोमल
भागचन्द हीरालाल - अलका
पारस हीरालाल - नीलम
गिरीश हीरालाल - अंजली
जिनेन्द्र (कन्नू)
सौरभ (लाला)

ससुराल पक्ष :

शकुन्तला जैन
विनोद-रश्मि
चिराग

पुत्र व पुत्रवधु :

शरद-डॉ. मनीषा
अरूण-ममता (बबली)
दिलीप-भूमिका

पौत्र एवं पौत्री :

इशांक शरद
वीर अरूण
अनेकान्त दिलीप
मौलिक दिलीप
निष्ठा शरद
अदिति (नवीका) अरूण

बहन-बहनोई :

राशि-राजेन्द्र जी (कोटा)
रवि (हिन्डोन सिटी)

निवास :

183, शान्ती कुंज, अलवर (राज.)
मो. 9829096043
मो. 9887020527 (शरद), 9829247791 (अरूण), 9828169191 (दिलीप)
भगवती कॉलोनी, बयाना
मो. 9460912907
जैन गली, रूपबास
मो. 9119312857 (राजेन्द्र), 9414333368 (वीरेन्द्र), 9414973758 (देवेन्द्र)

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री शिखर चन्द जी जैन

(मण्डावर वाले)

(09.09.1938 - 08.12.2021)

आपने अपने अथक परिश्रम, त्याग, प्रेम एवं धर्मनिष्ठा से
जो उच्च आदर्श स्थापित किये हैं,
हम उनको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती ज्ञानवती जैन
(पत्नी)

भाई, भतीजे :
महावीर प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद
पीयूष, नितिन, राहुल, प्रतीक
दोहते, दोहिती :
अंशी, सम्भव,
शिवांगी, शुभम,
आयूष

पुत्र-पुत्रवधु :
अजय-वर्षा
विजय-संगीता
अनुज
पुत्री-दामाद :
अलका-राकेश
पोते, पोती :
शौर्य, सक्षम,
सेवी, रिया

निवास
23, बैंक कॉलोनी, अलवर
मो. 9828053890, 9810126393

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	2,500/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-

पत्रिका सदस्यता

पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- *पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।*
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

अजीत कुमार जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9413272178

परमपूज्य पिताजी व माताजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

स्व. श्री तारा चन्द जी जैन

(25वीं पुण्यतिथि : 18.10.1997)

स्व. श्रीमती सावित्री जी जैन

(5वीं पुण्यतिथि : 18.01.2017)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं
प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र जैन-अरूणा जैन

भाभी :
श्रीमती पुष्पा जैन
ग्वालियर

बहन :
श्रीमती कमला जैन
गंगापुर

पौत्र-पौत्रवधु :
मनीष जैन-मोनिका जैन *(दुबई)*
प्रशान्त जैन-डॉ. प्रियंका जैन

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
अद्यांश, मायरा, प्रतीती जैन

निवास स्थान :

जैन भवन, तेली की बजरिया, नया बाजार, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
मो.: 9926804588, 7230944431, 971552254640

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **प्रतिभा जैन** पुत्री श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 11.10.1995 (प्रातः 03:25 बजे, जयपुर), शिक्षा- बी.टेक, कार्यरत- मर्चेंटनेवी, गोत्र : स्वयं- कोटिया, मामा- माईमुण्डा, सम्पर्क : 9414386658, 9460723972 *(दिसम्बर)*

★ **Shweta Jain** D/o Late Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height- 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in Ford Ahmedabad, 13.5 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(Oct.)*

★ **Kritika Jain** D/o Sh. N.K. Jain, DoB 20.09.1994 (at 7:22 am, Agra), Height 5'-1", Education- M.Com, Occupation- Working in Private Sector Company in Jaipur, Gorta : Self- Mahalishwari, Mama- Tak, Contact : G -4, Mangalyatan Apartments, Jain Mandir Road, Near Bal Mandir School, Kota Jn., Mob.: 8949654191 *(Oct.)*

★ **Anuradha Jain** D/o Sh. Mahaveer Prasad Jain, DoB 16.01.1994 (at 3:00 PM, Hindaun City, Karauli), Height 5'-1", Complexion- Fair, Education- M.A. & B.A., Gotra : Self- Pawatiya, Mama- Nangesuriya, Contact : 106-A, Raghunath Puri First, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9950250261, 9785546911, Email : manish1990jain@gmail.com *(Oct.)*

★ **Vidhi Jain** (Anshik Manglik) D/O Sh. Anil Jain, DoB 02.11.1993 (7:40 am, Jaipur), Height 5'-1", Smart and Wheatish, Education- B.E. (EC) Indore, Working in Hexaware at Pune, Package- 18.25 LPA, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Nangeswariya, Contact : Anil Kumar Jain, Mob.: 9926063720 *(Oct.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Uttam Chand Jain, DoB 21.01.1996 (at 12:30am, Morena), Height- 5ft., Fair Complexion, Educational- B.Com, CA final (pursuing), Gotra : Self- Banjaare, Mama- Chandpuriya, Contact : A.B. Road, Banmore, Dist. Morena, Mob.: 7000016910, 9144676882 *(Oct.)*

★ **Karishma Jain** D/o Sh. Hemraj Jain, DoB 09.07.1994 (at Kherli), Height- 5'-2", Complexion- Very Fair, Education- B.A (D.U.), M.A., Gotra : Self- Choudhary, Mama- Nangaswariya, Contact : K-19/231, Ratiya Marg, Sangam Vihar, New Delhi-110062, Mob.: 9873197440 *(Oct.)*

★ **Akshita Jain** D/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 15.12.1994 (at Joura, Morena), Height- 5Ft., Fair Complexion, Education- M.Com., Gotra : Self- Divariya, Mama- Banjare, Contact : Jain Mandir Gali, Pachbigha, Joura, Dist. Morena, Mob.: 9300790788, 9329875802 *(Oct.)*

★ **Mrinal Jain** D/o Sh. Bharat Bhushan Jain, DoB 09.08.1994 (at 09:20 AM, Palam, New Delhi), Height- 5'-1½", Fair Complexion, Education- M.Com. & M.B.A., Profession- Working in an MNC - Intercontinental Hotels' Group (IHG), Gurugram, Haryana (as Senior Analyst), Gotra : Self- Maleshwari, Mama- Barolia, Contact : H.No. WZ-246, Palam Village, New Delhi-110045 *(Oct.)*

★ **Divya Jain** (Manglik), DoB 11.08.1995 (at 12:55 pm, Kota), Height 5'-5", Education- B.Tech (C.S.), Job- Coding Instructor, Gotra : Self- Barolia, Mama- Rajoria, Contact : 348, Riddhi Siddhi Nagar-1, Kunhari Kota, Mob.: 8691074488, 9829105636, Email : rasd_sfc@rediffmail.com *(Nov.)*

★ **Amisha Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 31.12.1995 (at 6:15 pm, Agra), Height 5'-2", Education- MBA (Finance) from DEI, Agra, Occupation- Working as Deputy Manager in Bank of Maharashtra (Govt.), Mumbai, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Behteriya, Contact : 2, Mahendra Enclave, Nehru Nagar, Agra, Mob.: 9412158607 *(Nov.)*

★ **Lipi Jain** D/o Sh. Sunil Jain, DoB 21.05.1994 (at Alwar), Height 5'-4", Education- BSMS from Indian Institute of Science Education and Research-Pune, Occupation- Senior Research Officer in Asian Paints Ltd., Package- INR 13 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Chaudhry, Contact : Aravali Vihar, Kala Kuan Housing Board, Alwar, Mob.: 9414639998, Email : sunilkjain32@gmail.com *(Nov.)*

★ **Aakansha Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 14.02.1990 (at 2:00 am, Alwar), Height 5'-2", Education- M.Sc. (Physics), B.Ed., Gotra : Self- Rajoria, Mama- Chaudhary, Contact : 6 Ka 317-18, Shivaji Park, Alwar-301001, Ph.: 0141-2731885, 9460065933, 9414021171 *(Nov.)*

★ **Shikha Jain** D/o Sh. Munshi Lal Jain, DoB 13.04.1996 (at 9:15 pm, Jaipur), Height 5'-2", Education- M.Com. (ABST), Appearing B.Ed. and doing further studies for NET Exam, Gotra : Self- Atthvarrhiya, Mama- Bahattariya, Contact : A-1/2, Tulshi Nagar, Shastri Nagar, Jaipur, Mob.: 9414893626 *(Nov.)*

★ **Ritika Jain** D/o Sh. Pankaj Jain, DoB 18.09.1995 (at 1:25 pm), Height 5'-1", Education- B.Tech. (Mechanical), Working as a Content Writing and Digital Marketing in Invedus Outsourcing (Noida), Gotra : Self- Sangeswriya, Mama- Bayania, Contact : 46, Chetan Enclave 2, Jaipur Road, Alwar, Mob.: 9461618010 *(Nov.)*

★ **Shubhangi Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 01.081995 (at 03:40 pm, Aligarh), Height- 5'-2", Education- Bachelor Degree in Animation from Arina Institute, Malad, Mumbai, Occupation- Marketing Manager, Gotra : Sattaria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (east), Distt. Thane-401107, Maharastra, Ph.: 02228127404 & 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

★ **Garima Jain** Sh. Sushil Kumar Jain, DoB 17.05.1995 (at 5:15 am, Firozabad), Height- 5'-1", Education- B.Tech. (Electrical Engineering), Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Athvarsia, Contact : 10, Teachers Colony, Suvidha Nagar, Ramganjmandi, Dist.- Kota, Mob.: 8619280423, 9799055452 *(Nov.)*

★ **Sunidhi Jain** (Manglik) D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 07.09.1995 (at 10:04 am, Agra), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- MBA, Job- Working in ICICI Bank (Delhi), Gotra : Self-Athvarsia, Mama- Chorbambar, Contact : 14, G-2, Radha Swami Nagar, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9784617503 *(Nov.)*

★ **Dr. Pallavi Jain** D/o Dr. Rajesh Jain, DoB 11.05.1995 (at 3:25 pm, Allahabad), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- BDS, Currently Practising in Raj Dental Clinic, Allahabad, Gotra : Sahu, Contact : 9005155399, 8318937520, Email : rjain568@gmail.com *(Nov.)*

★ **Dr. Aditi Jain** D/o Sh. Ashok Jain, DoB 25.4.1993 (at 7:40 pm), Height- 5'-2.5", Fair Complexion, Education- BDS, ESIC, Job- Zoology Faculty at Extramarks Education, Noida, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Badwasia, Contact : B-437, Sainik Colony, Sector 49, Faridabad, Mob.: 9811031037, 9310031037 *(Nov.)*

★ **Shanu Jain** D/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 25.01.1997 (at 11:45 PM, Mubarikpur, Alwar), Height- 5'-4", Education- B.Com , M.Com , Gotra : Self- Maimuda, Mama- Lohakarodia, Contact No. : 8696948674 (D.K. Jain), 9414017772 (B.K. Jain), 9413053875 (Rajesh K. Jain) *(Dec.)*

★ **Megha Jain** D/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 17.08.1995 (at 02:00 PM, Alwar), Height- 5'-2", Fair Complexion, Education- B.A., B.Ed., M.A., Gotra : Self- Athbarsia, Mama- Nagysaria, Contact : B-107, Ambedkar Nagar, Alwar, Mob.: 8003881979, 6376628420 *(Dec.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **अंकित जैन** पुत्र श्री जवाहर लाल जैन, जन्मतिथि 22.11.1989 (प्रातः 8:32), कद 5'-1'', शिक्षा एमबीए, जॉब- एमिटी यूनिवर्सिटी मानेसर गुड़गांव, गोत्र : स्वयं-चांडपुरिया (पल्लीवाल), मामा- खलीदगिया, संपर्क : जगन विहार कॉलोनी, अछनेरा, आगरा, मो.: 9837316219, 7042064199 *(अक्टूबर)*

★ **रोहित जैन** (आंशिक मांगलिक) पुत्र स्व. श्री प्रमोद जैन, जन्मतिथि 28.03.1994 (रात्रि 11:50 बजे), कद 5'-7'', शिक्षा- बी.टेक (सी.एस.) गवरमेन्ट कॉलेज उदयपुर, कार्यरत- सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर- मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर, व्यवसाय- भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड राजगढ़ (अलवर), भारत पेट्रोलियम

कॉर्पोरेशन लिमिटेड मौजपुर (अलवर), गोत्र : स्वयं- चौरबम्बार, मामा- धाती, संपर्क : जैन पेट्रोल पम्प के पास, मालाखेड़ा रोड, लक्ष्मणगढ़, अलवर, मो.: 9414812360, 6350160386 *(अक्टूबर)*

★ **प्रखर जैन** (मांगलिक) सुपुत्र श्री मनोज कुमार जैन, जन्मतिथि 19.02.1994 (प्रातः 00:35), कद 5'-8'', शिक्षा- बी.बी.ए., एम.बी.ए. मार्केटिंग, व्यवसाय- ट्रवलिंग एण्ड ट्यूर्स, आय- 15 लाख प्रति वर्ष, गोत्र : स्वयं- जनुथरिया, मामा- मालेश्वरी, सम्पर्क : डी-127, फर्स्ट फ्लोर, झिलमिल कॉलोनी, नई दिल्ली, मो.: 9810009822, 9910009822, ईमेल : prakhar@travel voyagers.com *(दिसम्बर)*

★ **अरूण जैन** पुत्र श्री सुरेश चन्द जैन (पहाड़ी वाले भरतपुर), जन्मतिथि 14.02.1996 (प्रातः 9:41 बजे), कद- 5'-6'', शिक्षा- सीनियर सैकेण्डरी व डिप्लोमा इन मेडिकल लेब्रोट्रिज, कार्यरत- स्वयं लेब्रोट्रीज कार्य 'पार्श्व डाइग्नोस्टिक सेन्टर', गौत्र : स्वयं- बडवासिया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 11, श्रीनाथ नगर, श्योपुर, सांगानेर, जयपुर, मो.: 9829226665, 9166330088, 8058345473 *(दिसम्बर)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 03.09.1991 (at 1:30 AM, Delhi), Height 5'-7", Education- MBA, M.Com., Occupation- Finance Analyst in Safexpress Pvt. Ltd., Gotra : Self- Aameshri, Mama- MaiMunda, Package 3.5 LPA, Contact : WZ-1194, Palam, Near Dwarka, Sector-7, New Delhi-110045, Mob.: 9810512673, 9810864505 *(Oct.)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 29.09.1992 (at 1:55 PM, Nowgaon, Distt. Alwar), Height 5'-7", Good Looking Fair, Education- B.Tec in ECE From Govt. Engineering College Ajmer, Occupation- Junior Associate in SBI Bank in Sasan Gir in Gujarat, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Sangarwasiya, Contact : Near Mandi Chowk, Mubarikpur (Alwar), Mob.: 9982283492 *(Oct.)*

★ **Parag Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1995 (at 10:54 PM, Alwar), Height 5'-10", Education- B.Tech (CS), Working as a Probationary Officer in SBI, Kishangarh, Income 10 LPA, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Athwarsia, Contact : 27/169, Naruka Colony, Alwar, Mob.: 7014560816, Email : satishjain912@gmail.com *(Oct.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Ramesh Chand Jain, DoB 18.08.1990, Height 5'-10", Education- MBA Marketing & HR, Occupation- Canara Bank Housing Finance Agra, Income 35,000/- Per Month, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Sengarwasia, Contact : 9258065928, 9045216301 *(Oct.)*

★ **Gourav Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 02.02.1995 (at 10:30 AM, Jodhpur), Height 5'-6", Complexion- Fair, Education BSc. (PCM), Working as Manager in Balaji Art & Craft Jodhpur, Income 3.50 LPA, Gotra : Self- Tijariya, Mama- Vaderiya, Contact : 8/B/120, Sec-8, Kudi Bhagtasni Housing Board, Jodhpur, Mob.: 9928919609, 8696872651, Email : jaingourav075@gmail.com *(Oct.)*

★ **Raunak Jain** S/o Sh. R.K. Jain, DoB 21.01.1991 (at 7:33 AM), Height 5'-8", Education- B.Tech in Computer Science, Occupation- Tech Lead in Tech Mahindra Pune, Gotra : Self- Dhati, Mama- Goyal Agrawal, Contact : 3B8, C.H.B. Jodhpur (Raj.), Mob.: 9828384341, 9587683776 (Whatsapp), Email : jainraunak21@gmail.com *(Oct.)*

★ **Nivesh Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 07.08.1995, Working in Punjab National Bank Alwar, Gotra : Self- Ambia, Mama- Mittal, Contact : 1/225, Kala Kua, Alwar, Mob.: 9413739054, 9413455347, 9950087666 *(Oct.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 28.10.1993 (at 11:50pm, Agra), Height 5'-8", Education- B.Tech (EEE Delhi), Occupation- Software Engineer, Income 17 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Chandpuriya, Contact : C-3, Kedar Nagar, Shahganj, Agra, Mob.: 9837020651, 8077417805, Email : delta_agra@rediffmail.com *(Oct.)*

★ **Palak Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 19.11.1991 (at 2:35 PM), Height 5'-7", Education- B.Com., MBA, Job- Process Analyst in Tata Consaltancy Service (TCS), Gurgaon, Package 4.20 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Barolia, Contact : H.No. 1724 , Sector-7, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9319179796, 9758010189 *(Oct.)*

★ **Deepesh Jain** S/o Sh. Kailash Chand Jain, DoB 02.06.1994 (at 11:40 PM, Kherli Alwar), Height- 5'-9", Education- B.Tech. CSE, Job- Software

Development Engineer-2 at Amazon, Bangalore, Gotra : Self- Baderia, Mama- Chaudbambar, Contact : 262/196, Pratap Nagar, Sanaganer, Jaipur, Mob.: 9001896028, 7665841000 *(Oct.)*

★ **Aditya Palliwal** S/o Sh. Anil Kumar Palliwal, DoB 29.08.1990 (at 12:01 pm, Jaipur), Height 5'-11", Education- MBA in Finance - Glovsoin Institute of Business Management, Job- Working at E.N.Y. (MNC), Salary 8 LPA, Contact : 71, Narisingha Dutta Road, Merlin Leurel Garden, Barisha, Kolkata-700008 *(Oct.)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Bablee Jain, DoB 11.09.1990, Height- 5'-8", Education- BA from Rajasthan University, Job- Clerk in Private College, Gotra : Self- Saingervasiya, Mama- Chaudhary, Contact : Bich ka Para, Nadbai, Bharatpur-321602, Mob.: 8696853145, 9468912131, 9509862456, Email : saurabhnadbai@gmail.com *(Oct.)*

★ **Akash Palliwal (Sunny)** S/o Sh. Anil Kumar Palliwal, DoB 10.07.92, Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electrical Engg.), Occupation- Custom Inspector / G.S.T. [Ahmedabad (Gujrat)], Gotra : Self- Kotia, Mama- Nangesuria, Contact : Rewa Mill, Nahar Road, Gangapur City -322201, Mob.: 9983629729 *(Oct.)*

★ **Shubham Jain** S/o Late Sh. Rajesh Jain, DoB 13.07.1994 (at 1:40 AM, Beawar), Height- 5'-11", Education- MBA (Marketing & Finance), Occupation- District Marketing Officer, Barmer (J.K. Cement), Package- 6.38 LPA + Incentives, Gotra : Self- Januthrya, Mama- Badwasye, Contact : Smt. Babita Jain, H.No. 6, New Agrasen Colony, Delwara Road, Beawar-305901, Mob.: 9529397529 *(Oct.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Sheetal Chand Jain, DoB 18.12.1994 (at New Delhi), Height- 5'-10", Very Fair Complexion, Education- B.Com, Pursuing M.Com., Profession- Own Business, Income- Above Rs. 7,50,000/- per year, Gotra : Self- Choudhary, Mama- Chorbambhar, Contact : Band Road, Sangam Vihar, New Delhi-80, Mob.: 9818560038, 9211981214, Email : ravijain181294@gmail.com *(Oct.)*

★ **Shivang Jain** S/o Sh. Neeraj Kumar Jain, DoB 12.07.1992 (at 11:45 am, Agra), Height- 5'-3", Education- MCA, BCA, Job- Analyst at DBS Bank (Asia Hub 2), Hyderabad, Gotra : Janutharia, Contact : 28, Brij Vihar, Phase-3, Kamla Nagar, Agra-282005, Mob.: 9837116693, 9837649417, Email : shivangjain50@gmail.com *(Oct.)*

★ **Sumit Jain** S/o Sh. Lochan Das Jain, DoB 05.06.1991 (at 7:30 pm, Morena), Height- 5'-9", Education- BE (Mechanical), IET-DAVV Indore, Job- Auditor in CGDA (Ministry of Defance), Salary- 8 LPA, Gotra : Self- Baribar, Mama- Kashmiria, Contact : Gali No. 1, Durga Colony, Nainagarh Road, Morena-476001, Mob.: 8463022852, 8109522852, Email : jain.sumit9934@gmail.com *(Oct.)*

★ **Kulish Jain** (Manglik) S/o Sh. Arun Jain, DoB 20.06.1993 (at Gangapur City), Height- 168 cms., Education- MBA, Job- Private Sector, Income- 4 LPA, Gotra : Gindorabaksh, Contact : Tonk Bus Stand, Bazariya, Sawai Madhopur, Mob.: 9461456394, 9414415993, Email : jainkulish@gmail.com *(Oct.)*

★ **Jayeshu Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 12.10.1995 (at 10:45 pm, Midhakur, Agra), Height- 5'-8", Education- B.Sc., Job- Business, Gotra : Self- Sarang, Mama- Jaipatiya, Contact : Main Market, Midhakur, Agra-283105, Mob.: 9059664932, 7983653357 *(Oct.)*

★ **Praval Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain (Achnera wale), DoB 04.11.1994 (at 1:30 PM, Bharatpur), Height 5'-10", Education B.Tech (Computer Science Engineering from JECRC Jaipur), Occupation- Software Engineer-2 in MoEngage at Bangalore, Income 30 LPA, Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Kashmeriya, Contact : New Jain Automobile, Exhibition Road, Bharatpur-321001, Mob.: 9414894235, Email : pravaljain43@gmail.com *(Nov.)*

★ **Himanchal Jain** S/o Sh. M.L. Jain, DoB 14.06.1994, Height 5'-7", Education- B.Tech. The LNMIIT Jaipur, Occupation- Data Engineer at Amazon, Gurgaon, Contact : 22, Olive Homes, Mansarovar Extension, Jaipur, Mob.: 9340940882, 9694943663 *(Nov.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB 24.06.1992 (at 8:45 AM, Agra), Height 5'-7", Education- MBA, Occupation- Analyst in E&Y, Bangalore, Package- 10 LPA, Gotra : Self- Sarang, Mama- Kotiya, Contact : G-519, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412487579, 7983533361 *(Nov.)*

★ **Dheeraj Jain** S/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 19.03.1993 (4:35 PM, Bayana), Education- Graduate, Occupation- IInd Grade Clerk, Court, Tijara, Gotra : Self- Baderia, Mama- Badbasia, Contact : E-269, Mansarover Colony, Kala Kuan,

Alwar, Mob.: 8104423381 *(Nov.)*

★ **Abhinav Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 22.12.1994 (at 7:53 am, Agra), Education- B.Sc., Job- Assistant Manager in Aryavart Bank, Height- 5'-6", Gotra : Self- Salavadia, Mama- Kotia, Contact : Balaji Puram, Shahganj, Agra, Mob.: 9319213080 *(Nov.)*

★ **Ajit Jain** S/o Late Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 27.06.1990 (at 3:55 PM, Bharatpur), Height- 5'-10", Education- B.Tech (VIT Vellore), Presently Working as Assistant Manager in Canara Bank, Bayana, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Borandangya, Contact : 1. Smt. Pushpa Jain, Bharatpur, Mob.: 9785122157, 2. Ashwani Jain, Bharatpur, Mob.: 6350427579 *(Nov.)*

★ **Dr. Ashish Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 01.01.1995 (at Achhnera), Height 5'-5", Complexion : Fair, Education- BDS, Occupation- Practising and pursuing fellowship in Oral Implantology, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajouria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achhnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7906973116 *(Nov.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.06.1985 (at1:22 pm, Ajmer), Height 5'-8", Education- M.Com, MBA, Occupation-working as a State Head at Manba Finance Ltd. Co., Jaipur, Income-10.50 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 9983444198 (W), 9829818894 *(Nov.)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 31.08.1988 (at 9:50 am, Aligarh), Height 5'-8", Education- MBA, PGDM (Marketing), Occupation- Sales Officer Wipro Co., Delhi, Package- 8 LPA, Contact : MIG-40, Swarn Jyanti Nagar, Ramghat Road, Aligarh, Mob.: 8077020638, 9412593642, Email : jainrakesh313@gmail.com *(Nov.)*

★ **Yashpal Jain (Akhlesh)** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 04.05.1997, Height 5'-6", Education- Sr. Sec., Occupation- Shop, Plastic Crockery & Gift Item, Gotra : Self- Gindorabaksh, Mama- Laidoriya, Contact : Behind New PNB Katara, Nadbai, Bharatpur, Mob.: 9887469215, 7240093416 *(Nov.)*

★ **Naresh Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 15.07.1992 (at Nadbai), Height 5'-5", Education- B.Tech (CS), Occupation- Omcr Executive (Ascend Telecom Infra Pvt. Ltd.), Gotra : Self- Gindorabaksh, Mama- Laidoriya, Contact : Behind New PNB Katara, Nandbai, Bharatpur, Mob.: 9887469215, 9782590476 *(Nov.)*

★ **Palash Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 17.01.1991 (at 9:21 PM, Binaganj, Dist. Guna), Height- 5'-9", Education- B.E. & MBA (Finance Administration), Occupation- Working as a Manager Implementation at Serosoft Solutions, Indore, Package- 11 LPA, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Behattariya, Contact : 401, Abhishek Avenue, 9D, Slice 4, Scheme No.78, Vijay Nagar, Indore-452010, Mob.: 8770525921, 9340914032, Whatsapp No.: 9827072810, Email : palashjainec@gmail.com *(Nov.)*

★ **Ankur Jain** (Vinod Jain) S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 14.11.1990 (at 6:30 AM, Firozabad), Height- 177.8 cm, Education- B.Com, M.Com, Pursuing LLB (2nd year), Occupation- IT Support and Account in Army Hospital, Star Health and LIC Insurance Agent, Income- 4.20 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Mast Chaudhary, Contact : 361, Jain Nagar, Khera Saiyaad Wali Gali, Firozabad-283203, Mob.: 9045730849, 9837639412, Email : jain_antesh1008@rediffmail.com *(Nov.)*

★ **Yash Kumar Jain** S/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 25.05.1996, Height- 5'-6", Education- B.Com , M.Com, PGDCA, RS-CIT, Occupation- Auto Parts Business, EMitra Shop, LIC Agent, Gotra : Self- Amiya, Mama- Chaudhary, Contact : Shiv Shankar Colony, Near Govt. PG College, Karauli-322241, Mob.: 8104424645, 7742570454 *(Nov.)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 30.09.1992 (at 6:45 am, Alwar), Height- 5'-9", Education- Graduate, Occupation- Nursing Superintendent, Railway (NCR), Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Chorbambar, Contact : 2/300, Kala Kua Housing Board, Alwar-301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(Nov.)*

★ **Gaurav Jain** S/o Sh. Hirendra Jain, DoB 22.09.1991 (at 10:30 pm, Patna), Height- 5'-7", Education- M.Com (PGDCA), Occupation- Business, Gotra : Self- Patni, Mama- Kasliwal, Contact : H.No. 9, Govind Enclave, Chanakyapuri, Shahganj, Agra, Mob.: 9219740750 *(Nov.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. S.K. Jain, DoB 03.06.1990 (at 08:46 am, Aligarh), Height- 5'-3.5", Education- B.Tech. (Electronics), MBA (Marketing), Occupation- Dy. Manager in National Payment

Corporation of India (Under Reserve Bank of India), Mumbai, Presently Working as Sr. Manager in ICICI Bank, Mumbai, Income- 12 LPA, Gotra : Sattaria, Contact : Flat No. 603, Bldg. No. 5, Kenwood Park, Mira Bhayander Road, Mira Road (east), Distt. Thane- 401107, Maharastra, Ph.: 02228127404 & 9969019635, Email : skjain5607@yahoo.in *(Nov.)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. A.K. Jain, DoB 15.07.1984 (at 7:40 a.m), Height- 5'-5", Dy. GM (Adani Power Mumbai), Gotra : Ambia, Package- 25 LPA (Widower, 9 yrs. male child) want litrate bride, Divorced, Issueless / Widow Issuless, Contact No.: 7023479787, 8104681071 *(Dec.)*

★ **CA Akhlesh Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 29.11.1989, Height 5'-7", Chartered Accountants & M.Com, Gotra : Self- Chorbhambar, Mama- Aameshwariya, Working in Airports Authority of India, (PSU under Central Government), New Delhi, CTC- above 15 LPA, Contact No.: 9461210084, Jaipur *(Dec.)*

★ **CA Gaurav Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 25.05.1995 (at 9:22 PM Kherli, Alwar), Height- 5'-11", Education- Chartered Accountant, Occupation- Mgmt. Trainee, Genpact, Gurugram, Income- 8 LPA, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Chaudhary, Contact : 92-F1, Arjun Nagar North, Jaipur, Mob.: 9414856933, 9468598216 *(Dec.)*

★ **Priyakansh Jain** S/o Late Sh. Pradeep Kumar Jain, DoB 15.01.1993 (at 07:30 AM), Height- 5'-11", Education B.A., LL.B. (Five years law Course), Working as Asstt. Legal Manager, Aavas Financiers Ltd, Jaipur, Package Rs. 6 Lacs approx., Gotra : Self- Badwasia, Mama- Kotia, Contact : Mrs. Pramod Jain (Mother), 3, Civil Lines, Alwar, Mob.: 7742705601 *(Dec.)*

★ **Akansh Jain,** DoB 20.05.1992 (at 6:00 AM, Vidisha), Education- M.Tech (Structural Engineering), HOD in Civil Engg, ITM Gwalior, Gotra : Mahila, Contact : Sh. Satish Jain C/o Deepak Automobiles, Jinsi Nala No.1, Gwalior (M.P.), Mob.: 9479966904 *(Dec.)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Shri Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height- 5'-8", Education : B.Tech (ECE), RS-CIT, Job- Senior Associate in SBI Bank Bhavnagar Gujarat, Gotra : Self- Mastang Dangiya Chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO-Barodakan, Laxmangarh, Distt. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(Dec.)*

★ **Rahul Jain (Sohit)** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 29.01.1992 (at 2:10 pm, Kherli), Height- 5'-8", Education- B.A., M.A., Occuption- City Incharge in Dainik Navjyoti Press, Udaipur & News Paper Contractor in Rajasthan Patrika Press, Banswara, Income- 7.5 LPA, Gotra : Self- Vaidh Bhagor, Mama- Rajoriya, Contact : Ward No. 5, Kajodi Ka Mohalla, Kherli, Alwar, Mob.: 9413026896, Email : rahuljainkarie@gmail.com *(Dec.)*

★ **Agam Jain** S/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 15.03.1992 (at 6:15 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Sc. (University of Delhi), MS(IT) (VIT, Vellore), Occupation- Software Engineer in Salesforce (Hyderabad), Salary- 20+ LPA, Contact No.: 9911499282 *(Dec.)*

★ **Nakul Jain** S/o Sh. Vinit Jain, DoB 13.06.1994 (at 4:40PM, Palam), Education : B.Com. from Dr. Bhimrao Ambedkar University, Advance Diploma in French Language, B1 Level in French Language from Alliance Francaisede Delhi, Currently Working with AXA Business Services, French, Current CTC- 7.5 LPA, Gotra : Janutharia, Contact : Hotel GN Palace, Paras Bhavan, Bodla, Loha Mandi Road, Bodla, Agra-282007, Mob.: 8218344520, 8077805858 *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sanjay Kumar Jain**,** DoB 22.10.1993 (at 05:20 PM, Agra), Height- 5'-4.5", Education- BCA PIMR, Indore, MCANIT (Suratkal), Karnataka, Occupation- Works as Data Analyst in Citicorp Services India Pvt. Ltd.Chennai, Gotra : Self- Bhattariya, Mama- Niyodhi, Contact : 7983910563, 7983835118, Email : jainsanjay2551967@gmail.com, jainshubh22@gmail.com *(Dec.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain**,** DoB 02.11.1992 (at 02:10 PM, Mathura), Height- 5'-8", Education- B.Tech. in Computer Science from B.B.D. University, Lucknow, Occupation- Working an Adobe (MNC) in Noida, Package- 5 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Maimuda, Contact : H.No. 133, Dalpat Street, Koyla Wali Gali, Holi Gate, Mathura, Mob.: 9058485772, 9634353924 *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Late Sh. Devender Kumar Jain**,** DoB 21.09.1993 (at 12:55 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (EC), Occupation- Presently Working in Havells, Alwar, Gotra : Self- Maleshwari, Mama- Chorambaar, Contact : Plot No. 205, Scheme

No. 1, Arya Nagar, Alwar, Mob.: 8000669150, Email : abhijain2109@gmail.com *(Dec.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 01.03.1995, Education- B.Com., M.B.A., Occupation- Working in H.D.F.C. Bank, Alwar, Package- 5 Lakhs, Gotra : Self- Chodbambar, Mama- Rajoriya, Contact : C-408, Manglam Residency, Itarana Chauraha, Alwar, Mob.: 6350158479 *(Dec.)*

★ **Shrey Jain** S/o Sh. Manjeet Jain, DoB 20.04.1995 (at 12:20 pm, Agra), Height- 5'-7", Education- M.B.A. (NMIMS), B.Tech (UPES), Occupation- Businessman (M/S Bishamber Nath Manjeet Jain), Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Naagar, Contact : 112, Jaipur House, Agra, Mob.: 9359906702 *(Dec.)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992, Height- 5'-5", Education- M.Com., Occupation- Senior Executive (AU Small Finance Bank), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Infront of Rewa Mill, Gangapur City, Sawai Madhopur, Mob.: 8385836241, Email : jsheetal689@gmail.com *(Dec.)*

★ **Sanket Jain** S/o Sh. Abhinandan Kumar Jain, DoB 01.01.1991 (at 5:35 am, Hindaun City), Height- 5'-10", Education- B.Com. (University of Rajasthan), PG (Theatre Arts) Mumbai University, Occupation- Assistant Professor (MIT University Pune, Drama Department), National Level NGO (Adhaytma Natya Academy), Gotra : Self- Rajoria, Mama- Salavadiya, Contact : B-1, Mohan Nagar, Behind HP Petrol Pump, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 9414034309, 8890320317 *(Dec.)*

* * * * *

सुखी रहने का तरीका

एक बार की बात है संत तुकाराम अपने आश्रम में बैठे हुए थे। तभी उनका एक शिष्य, जो स्वाभाव से थोड़ा क्रोधी था उनके समक्ष आया और बोला- 'गुरूजी, आप कैसे अपना व्यवहार इतना मधुर बनाये रहते हैं, ना आप किसी पर क्रोध करते हैं और ना ही किसी को कुछ भला-बुरा कहते हैं? कृपया अपने इस अच्छे व्यवहार का रहस्य बताइए?'

संत बोले- 'मुझे अपने रहस्य के बारे में तो नहीं पता, पर मैं तुम्हारा रहस्य जानता हूँ!'

'मेरा रहस्य! वह क्या है गुरु जी?' शिष्य ने आश्चर्य से पूछा।

'तुम अगले एक हफ्ते में मरने वाले हो!' संत तुकाराम दुखी होते हुए बोले।

कोई और कहता तो शिष्य ये बात मजाक में टाल सकता था, पर स्वयं संत तुकाराम के मुख से निकली बात को कोई कैसे काट सकता था? शिष्य उदास हो गया और गुरु का आशीर्वाद ले वहां से चला गया।

उसके बाद शिष्य का स्वभाव बिलकुल बदल सा गया। वह हर किसी से प्रेम से मिलता और कभी किसी पर क्रोध न करता, अपना ज्यादातर समय ध्यान और पूजा में लगाता। वह उनके पास भी जाता जिससे उसने कभी गलत व्यवहार किया था और उनसे माफ़ी मांगता। देखते-देखते संत की भविष्यवाणी को एक हफ्ते पूरे होने को आये। शिष्य ने सोचा चलो एक आखिरी बार गुरु के दर्शन कर आशीर्वाद ले लेते हैं। वह उनके समक्ष पहुंचा और बोला- 'गुरुजी, मेरा समय पूरा होने वाला है, कृपया मुझे आशीर्वाद दीजिये!'

'मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ है पुत्र। अच्छा, ये बताओ कि पिछले सात दिन कैसे बीते? क्या तुम पहले की तरह ही लोगों से नाराज हुए, उन्हें अपशब्द कहे?' संत तुकाराम ने प्रश्न किया।

'नहीं-नहीं, बिलकुल नहीं। मेरे पास जीने के लिए सिर्फ सात दिन थे, मैं इसे बेकार की बातों में कैसे गँवा सकता था? मैं तो सबसे प्रेम से मिला, और जिन लोगों का कभी दिल दुखाया था उनसे क्षमा भी मांगी' शिष्य तत्परता से बोला।

'संत तुकाराम मुस्कुराए और बोले, 'बस यही तो मेरे अच्छे व्यवहार का रहस्य है। मैं जानता हूँ कि मैं कभी भी मर सकता हूँ, इसलिए मैं हर किसी से प्रेमपूर्ण व्यवहार करता हूँ, और यही मेरे अच्छे व्यवहार का रहस्य है।'

शिष्य समझ गया कि संत तुकाराम ने उसे जीवन का यह पाठ पढ़ाने के लिए ही मृत्यु का भय दिखाया था।

वास्तव में हमारे पास भी सात दिन ही बचें हैं- रवि, सोम, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि, आठवां दिन तो बना ही नहीं है।

आइये आज से परिवर्तन आरम्भ करें।

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

BIMAL CHAND JAIN
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Bimal Jain - 09837253305
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438

Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

Your perfect home is now
at a landmark address.

16 Smart Home · 3 BHK · Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | **3600** Villas + Plots | More than **500** Apartments | **22** 'Pearl' Tower | **6** Townships

If Undelievered, please return to :
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।